रिज सं० जी-(जी) 78



PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 4, 1978 (फाल्गुन 13, 1899)

No. 91

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 4, 1978 (PHALGUNA 13, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ।।।...खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जनवरी 1978

12025/1/77-प्रशा०-II--शस्त्रास्त्र श्रनसंधान श्रौर विकास प्रतिष्ठान, रक्षा मंत्रालय, पूणे-411001 के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी II श्री जे० के० खन्ना को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा 6-1-1978 के पूर्वाह्व 'से ग्रथमा श्रागामी ब्राह्शों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में वरिष्ठ प्रोग्रामर के श्रस्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 जनवरी 1978

स्थायी भ्रनुसधान महायक (हिन्दी) श्री चंद किरण को एतदद्वारा 16-1-1978 से 28-2-1978 तक की अवधि के लिए अथवा श्रागामी ब्रादेशो तक जो भी पहले हो, कनिष्ठ श्रनसंधान श्रधिकारी (हिन्दी) के पद पर तदर्थ ग्राधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

> प्र० ना० मखर्जी, श्रवर सचिव कते ग्रध्यक्ष

नई दल्ली-110011, दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-J---संघ ग्रायोग के संवर्ग में (के० म०स्टे० से० का ग्रेड ग) के स्थायी वैयक्तिक महायक श्री हकुम चन्द को, राष्ट्रपति द्वारा 5-1-78 से 46 दिन की ध्रवधि के लिए भ्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः ग्रस्थायी ग्रीर तदर्थ ग्राधार में, उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापच्च रूप रो कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री हकुम चन्द को अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० म० स्टे० मे० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी निय्कित पूर्णत अस्थायी श्रीर तदर्थ आधार में है श्रीर के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख मे उनके विल्यन का या उक्त ग्रेड मे विष्ठिता का कोई हक नही होगा।

सं o ग o 32013/1/77-प्रशा o-I -- संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड के निम्न-लिखित स्थायी अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निदिष्ट ध्रवधि के लिए अथवा श्रागामी श्रादेश तक, जे भी पहले

(1095)

हो, उक्त सेवा के ग्रेड I मे नियुक्त किया जाता है।	स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए
ऋ० नाम सं०	भ्रवधि
सर्वेश्री	
1. वीरसिंह रियात	. 3-1-1978 से 18-2-1978 तक
2. भ्रार० ग्रार० ग्रहीर	. 1-1-1978 से 18-2-1978 तक
3. प्रीतम लाल	. 12-11-1977 से 8-12-1977 तक

दिनांक 23 जनवरीरे 1978

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा**० I—**इस कार्यालय की सम संख्यक श्रीधसूचना दिनांक 20-12-1977 के श्रनुक्रम में संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I ग्रधिकारी श्री ग्रार० एस० ग्रहलुवालिया को राष्ट्रति द्वारा 30-12-1977 से 31-1-1978 तक की अवधि के लिए श्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा स्रायोग के कार्यालय में उप सिचव के पद पर तदर्थ ब्राधार में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

> प्र० ना० मुखर्जी, ग्रवर सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 फरवरी 1978 शुद्धि-पत्न

सं o एफ o 14/3/77-प o I (ख) -- भारत के राजपत्र के भाग III खण्ड 1 में 29 प्रक्तूबर, 1977 को प्रकाशित रेलवे ग्रीर श्रायुद्ध कारखाना स्वास्थ्य सेवा में चिकित्सा पदों पर भर्ती के लिए सम्मिलित परीक्षा (1978) से संबद्ध संघ लोक सेवा श्रायोग के समसंख्यक नोटिस में निम्नलिखित संशोधन किए

आएंगे :		
संदर्भ नोटिस	के लिए	पढ़ा जाए
पृष्ठ 1, कालम 1, पैरा 1 पंक्तियां 2 ग्रौर 3	14 मार्च, 1978	27 मई, 1978
-	ग्रहमदाबाद त्रिवेन्द्रम	न्नहमदाबाद, इलाहा- बाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, खंडी- गढ़, कोचिन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद,

संदर्भ नोटिस	के लिए	पढ़ा जाए
		जयपुर, जम्मू, लखनअ मद्रास, नागपुर, पणजी (गोभ्रा), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर श्रीर विवेन्द्रमः
पृष्ठ 1, कालम 1, पैरा 3(ख) का दूसरा उप- पैरा पंक्ति 1.	40 वर्ष	50 বর্ণ
पृष्ठ 2, कालम 1, पैरा 3 (ग), श्रंतिम पंक्तिः	19 दिसम्बर, 1977	6 मार्चे, 1978.
-	19 दिसम्बर, 1977 ग्रौर 2 जनवरी, 1978.	6 मार्च, 1978 श्रौर 20 मार्च, 1978
पृष्ठ 3 कालम 1, पैरा 7 (क) (iii) पंक्ति 5.	19 दिसम्बर, 1977	6 मार्च, 1978

पृष्ठ 4, कालम 2, परीक्षा की योजना

पैरा 13

इस परीक्षा के लिए एक प्रश्न पत्र में लिखित परीक्षा ली जाएगी लिखित विषयों पर वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे, (i) क० ना० कं०, नेत्र विज्ञान, क्रण-विज्ञान, सहितसर्जरी (ii) शिथु रोग विशान सहित सामान्य प्राय्-विज्ञान (iii) शिशु कल्याण और परिवार नियोजन सहित निरो-धक ग्रायुविज्ञान ग्रीर सामुदायिक स्वास्थ्य, श्रीर स्त्री रोग विज्ञान, प्रश्नपत्न तीन घंटेका होगा और (2) जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में श्रर्हता प्राप्त लेंगे उनका व्यक्तित्व परीक्षण किया जाएगा जिसके समान

परीक्षा इस प्रकार ली जाएगी: (क) लिखित परीक्षा--उम्मीदवारों जिसमें (1) निम्न-को निम्नलिखित चार प्रश्न-पद्मों में से किसी एक में परीक्षा देने का विकल्प होगा । प्रश्न-पत्न का समय 3 घंटे होगा और उसमें वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। (i) क० ना० कं०, नेस्न विज्ञान, **प्रण विज्ञान श्रौर वि**क-लांग विज्ञान सहित सर्जरी, (ii) शिशु रोग विज्ञान सहित सामान्य और(IV)प्रसूति विज्ञान आयुर्विज्ञान (iii) शिशु कल्याण भ्रौर परिवार नियोजन सहित निरो-धक ग्रायुविज्ञान ग्रौर साम्दायिक स्यास्थ्य, (IV) प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान (ख) उन उम्मीववारों का व्यक्तित्व परीक्षण

परीक्षा की योजना

संदर्भ नोटिस	के लिए	पढ़ा जाए
प्रं कः	होंगे।	होगा जो लिखि परीक्षा में ग्रहैता प्राप् कर लेंगे। ध्यान वें: लिखि परीक्षा श्रौर व्यक्तित्व परीक्षण के ग्रंक समान होंगे।

बी० एस० जौली, श्रवर सचिव

प्रवर्तन निवेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम नई दिल्ली-1, दिनांक 2 फरवरी 1978

सं० ए०-11/2/78—श्री एम० एल० ध्राचार्य, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, कलकत्ता को इस विदेशालय के श्रहमदाबाद उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 23-1-78 से श्रगले श्रादेशों तक के लिए प्रवर्तन श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

जे० एन० भ्ररोड़ा, उप निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1978

सं० ए०-31014/1/77-प्रशासन-I—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा श्रपील) नियमावली, 1965 के नियम 9 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री वाई० एस० दीक्षितूलू को दिनांक 1-1-78 से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से उप-ग्रधीक्षक (एफ० पी०) केन्द्रीय श्रंगुलिकाप ब्यूरो नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/6/78-प्रशा० 5—निदेशक, केन्द्रीय प्रम्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्था-पना, एतद्द्वारा, कर्नाटक राज्य पुलिस के श्रिधकारी तथा केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, वंगलौर शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री ए० श्रस्वथरमेंय्या को दिनांक 21-1-78 के पूर्वाह्न से श्रगले भादेश तक के लिये केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-ग्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

ए० कें० हुइ, प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) के**न्**द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरो

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110024, दिनांक 8 फरवरी 1978

सं० ई० 38013/(3)/22/77-कार्मिक—धुम्बा से स्थानांतरित होने पर, श्री पी० के० पी० नायर ने 7 जनवरी, 1978 के प्रपराह्म से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट ग्राई० एस० ग्रार० ओ० थुम्बा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया ग्रौर 18 जनवरी 1978 के पूर्वाह्म से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट महास फर्टीलाइजर्स लिमिटेड, मनाली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013 (1)/78-कार्मिक— उप महानिरीक्षक (व्यवस्था और लेखा) के० भी० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के रूप में तैनात होने पर श्री हंस राज स्वान, भारतीय पुलिस सेवा (हरियाणा-1957) ने 27 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सि० बिष्ट, महानिरीक्षक/के०**ग्रौ**०सु०ब०

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर जयपुर, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० प्रशासन-II/जी० जी० श्रो०—महालेखाकार राजस्थान ने श्री मनोहर लाल गोयल ग्रनुभाग श्रधिकारी को 31/1/78 (पूर्वाह्न) से श्रग्रतर ग्रादेश के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

र० भ्र० बोरकर, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० प्रशासन-I/528---महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश श्री एस० डी० शर्मा (02/0223) श्रनुभाग श्रिधकारी को स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी के पद पर रुपये 840-40-1000-द० ग्र०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 6-10-77 पूर्वाह्न, ग्रथीत् वह दिनांक जिससे उनसे कनिष्ठ श्री जी० टी० मिठे, श्रनुभाग ग्रिधकारी इस कार्यालय में, लेखा श्रिधकारी के पद पर पदोन्नत हुये, से प्रोफार्मा पदोन्नति सहर्ष स्वीकार करते हैं।

कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रणासन

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पश्चिम रेलवे बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० एसर्०ए०/एच०क्यु०/प्रशासन/IX/६/व IV/7284—इस कार्यालय के स्थायी श्रनुभाग अधिकारी श्री जे० पी० श्ररोरा का दिनांक 31-1-78 (ग्रपराह्म) से स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा ग्रिधकारी के पद पर सहर्षपदोन्नत किया है ग्रीर लेखा परीक्षा ग्रिधकारी (निर्माण) विरमगाम—ग्रोखा प्रोजेक्ट, पिष्चम रेलवे, राजकोट के पद पर उसी दिनांक से नियुक्त किया है।

ग्र**० ना० बि**स्वास, मु**ख्य लेखा** परीक्षक

रक्षामंत्रालय

डी॰ जी॰ श्रो॰ एफ॰ मुख्यालय, सिविल सेवा महानिदेशालय, श्रार्डनैस फैक्टरिया

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० 3/78/ए०/ई०-I—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर, श्री एम० एल० गांगूली, स्थानापन्न ए० एस० श्रो० मौलिक एव स्थायी सहायक तारीख 30-11-77 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 31 जनवरी 1978

सं० $4/78/\nabla o/\hat{\xi}$ -I—वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त कर, श्रीभान्ति कुमार बनर्जी मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ग्रो०, दिनांक 31-1-1978 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> डी० पी० चक्रवर्ती, सह यक महानिदेणक (प्रणासन-II), कृत महानिदेणक, ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 13फरवरी 1978

सं० प्र०-6/247 (288) 77—स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (ई) ग्रौर म० नि० पू० नि०, नई दिल्ली के मुख्यालय में भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III (श्रेणी-I) (इंजीनियरी णाखा) के स्थानापन्न सहायक निदेशक (इंजी) श्री जोगेन्द्र लाल दिनांक 31 जनवरी, 1978 के श्रपराह्न से निवृत्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सूयं प्रकाश, उप निदेशक (प्रशासन) कुले महानिदेशक. पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016. दिनांक 5 फरवरी 1978

सं० 1060/बी०/14/76/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सबक्षण के सहायक लागत लेखा अधिकारी श्री डी० के० राय चौधरी को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 31 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से मुक्त किया जा रहा हैताकि वे जेसप एण्ड कम्पनी लिमिटेड में कार्यभार ग्रहण कर सकें।

> वी० एस० कृ**ड**णस्यामी, महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० ए०-19012 (99) / 77-स्था० ए० — श्री एयामजी सिंग स्थायो वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ग्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से भ्रागामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक रसायनिव के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एल० सी० रणधीर, कार्यालय ग्रध्यक्ष, भारतीय खान ब्यरी

सूचना भौर प्रसारण मंत्रालय प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1978

सं० ए० 12026/2/78-प्रशासन-I—िनदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री एल० ग्रार० बता, सहायक व्यापार व्यवस्थापक को 30-1-78 से 18-3-78 तक 48 दिन के श्रवकाश प्रदान किये जाने के परिणामस्वरूप श्री सागर चन्द जैन, अस्थाई व्यापार कार्यकारी को प्रकाशन विभाग में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक व्यापार व्यवस्थापक नियुवत करते हैं।

2. यह तदर्थ नियुक्ति श्री सागर चन्द जन को सहायक ध्यापार व्यवस्थापक के ग्रेड में नियमित नियुक्ति के दावे का श्रधिकार नहीं देती। वरिष्ठता के मामले में उनकी यह नियुक्ति ग्रेड में भी नहीं जोड़ी जायेगी।

> इन्दराज सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० ए० 19019/32/77-के० स० स्वा० यो०-Ηस्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) सरिता देवी को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ में 5 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से श्रीयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 25 जनवरी 1978

सं०ए०-19019/40/77-सीजी एच एस-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) गुसुम दत्ता को 2 जनवरी, 1978 श्रवराह्म से केन्दीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहा- बाद में होम्योपेथिक फिजिशियन के पद पर ग्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

> एन० एस० भाटिया, उप निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं०ए०-32014/9/77 (एच० क्यू०) प्रशासन-I — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० के० श्रीवास्तव को 24 दिसम्बर, 1977 पूर्वीह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशालय में तकनीकी अधिकारी (खाद्य अपिश्रण निवारण) के पद पर अस्थायी आधार पर तैनात किया है। शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग (नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना)

मुम्बई-5, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० एन० ए० पी० पी०/18/41/76-प्रशा०/खण्ड-II--विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, नरोरा
परमाणु विद्युत परियोजना के श्रस्थायी नक्सानवीस 'सी'
श्री एम० एच० जोशी को 1 श्रगस्त, 1977 के पूर्वाह्म से
श्रगले श्रादेश तक के लिए उसी परियोजना में श्रस्थायी रूप
से वैज्ञानिक श्रिधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस बी नियुत्त करते
हैं।

बी० वी० थाटे, प्रशासन स्रधिकारी कृते निदेशक

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 13 फरवरी, 1978

संदर्भ : भा पा प एं/स्था०/1/ब-12/777—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-श्रिधकारी, श्री पूरन सिंह करतार सिंह भेका, श्रस्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) को उसी परियोजना में तदर्थ श्राधार पर अस्थायी रूप से 9 श्रगस्त, 1977 (पूर्वाह्न) से 14 सितम्बर, 1977 (श्रपराह्न) तक के लिए, श्री पी० बी० वकसी, सुरक्षा अधिकारी के स्थान पर स्थानापन्न रूप से सुरक्षा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन, वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

सिविल इंजीनियरी ग्रुप

कलपक्कम-603102,दिनांक 27 जनवरी, 1978 सं० सी० ई० जी०/3 (690)/72-प्रणासन----इस विभाग के सिविल इंजीनियरी ग्रुप के ग्रस्थायी वैज्ञानिक श्रिधकारी/ इंजीनियर ग्रेड एस बी, श्री बी० श्रार० नागराज ने उनका त्यागपत्र स्वीकार होने पर 24 दिसम्बर, 1977 के श्रपराह्न से ग्रेड एस बी में श्रपने पद का कार्यभार छोड दिया।

> बी० एस० वेंकटेश्वरन, प्रशासन तथा लेखा ग्रीधकारी

भ्रन्तरिक्ष विभाग भारतीय भ्रन्तरिक्ष भ्रनुसंधान संगठन शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० एस०सी० एफ० : भी० एण्ड जी० ए० : स्थापना 1.72— निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के गार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में अस्थायी इंजीनियर एस० बी० श्री बी० सुगुमार का सेवा से त्यागपत दिनांक 5 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

> श्रार० गोपालारत्नम, प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन **कृते** निदेशक

पर्यटन स्रौर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक फरवरी 1978

सं० ई० (I) 03948—विधशालाओं के उप-महानिदेशकः, (जलवायु विज्ञान), पुणे भारत मौसम विज्ञान विभाग के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री ग्रारं० वाई० दबीर को 17-9-1977 से 106 दिनों के लिए सेवा-निवृत्ति-पूर्व श्रांजित

ग्रवकाण मंजूर किया गया था । ग्रवकाण की समाप्ति पर, श्री दबीर ने 31-12-1977 के भ्रपराह्न से सरकारी सेवा से भ्रवकाण प्राप्त किया ।

> गुरुमुख राम गुप्त, ्मौसम विज्ञानी, कृते वेधणालाश्चों के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० 1/449/77-स्था०—श्री सनाउल्ला को श्रार्वी शाखा में 4 नवम्बर, 1977 के प्रपराह्म से ग्रस्थायी रूप से सहायक प्रभियंता नियुक्त किया गया। सेवा से उनका त्यागपत्र 30 नवम्बर, 1977 के ग्रपराह्म से स्वीकार किया गया है।

पु० ग० दामले, महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० 1/188/78-स्था०---विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतंद्द्वारा ग्रधीक्षक श्री एन वी पद्मानाभन को श्रल्पकालीन खाली जगह पर 19-12-77 से 24-1-78 (दोनों दिन समत) तक की अवधि के लिये कलकत्ता शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करने हैं।

सं० 1/407/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के ज्येष्ठ फोरमैंन, श्री ए० के० सहा को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 9-12-77 से 13-1-78 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य मैंकैनिशियन नियुक्त किया जाता है।

एम० एस० कृष्णस्थामी, प्रशासन श्रधिकारी, **क्से** महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 2/78—श्री सोहन कम्पानी निरीक्षक (प्रघरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिये समाहर्ता कानपुर/इलाहबाद कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-(3) 93-ई० टी०/77/6838, दिनांक 11-3-77 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 52/77 दिनांक 11-3-77 तथा आदेश मंख्या 1/ए/203/77, दिनांक 24-6-77 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' कानपुर प्रथम मंडल के पद का कार्याभार दिनांक 8-7-77 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

के० प्रकाश श्रानन्द समाहर्ता

शैक्षिक वर्ष, 1978 के लिए प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र और मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निवेशालय, कलकत्ता/बम्बई में प्रवेश

बम्बई-1, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० 7 ई० सी० (1) 77—नौचालन (एक वर्ष) और मरीन इंजीनियरी (चार वर्षीय) पाठ्यक्रम में उक्त संस्थानों में निम्निलिखित केन्द्रों पर वशर्ते हर केन्द्र पर अभ्यथियों की पर्याप्त संख्या होने पर, प्रवेश के लिए एक संयुक्त लिखित अर्ह् कारी परीक्षा 25 और 26 मई, 1978 को सम्पन्न होगी।

परीक्षा केन्द्र

- 1. ग्रहमदाबाद
- 2. बंगलीर
- 3. भोपाल
- 4. बम्बई
- 5. कलकत्ता
- 6. चंडीगढ़
- 7. कटक
- 8. दिल्ली
- 9. एर्नाकुलम
- 10. गौहाटी

- 11 हैदराबाद
- 12. जयपुर
- 13. लखनऊ
- 14. मद्रास
- 15. नागपुर
- 16. पटना
- 17. श्रीनगर
- 18. पोर्टब्लेयर
- 19. त्रिवेन्द्रम
- 20. विशाखापत्तनम ।

परीक्षा के विषय——(1) अंग्रेजी (एक प्रश्नपत्न), 3 घंटे—
100 अंक, (2) गणित(एक प्रश्नपत्न) 3 घंटे—100 अंक, (3)
भौतिक विज्ञान (एक प्रश्नपत्न) 3 घंटे—100 अंक, (4) रसायन
विज्ञान (एक प्रश्नपत्न) 1 1/2 घंटे—50 अंक, और (5) सामान्य
ज्ञान (एक प्रश्नपत्न) 11/2 घंटे—50 अंक होंगे। अभ्याधियों को
प्रवेश परीक्षा के परिणाम के आधार पर चयन समिति, कलकत्ता/
बम्बई के समक्ष डाक्टरी जांच और साक्षात्कार के लिये बुलाया
जाएगा। अभ्याधियों को याता खर्च स्वयं वहन करना होगा और
परीक्षा तथा साक्षात्कार केन्द्रों पर भोजन एवं आवास की व्यवस्था
स्वयं करनी होगी।

प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र और मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण में प्रवेश के लिये वशर्ते उपयुक्त श्रभ्यार्थी उपलब्ध हों, समस्त स्थान का पन्द्रह प्रतिशत श्रनुसूचित जाति के श्रभ्यार्थियों के लिये श्रौर पांच प्रतिशत श्रनुसूचित जन-जाति के लिये श्रारक्षित हैं।

प्रवेश के लिए योग्यता

- (ए) ग्रभ्यांथयों को निम्नलिखित परीक्षाम्रों में से कोई एक परीक्षा म्रवश्य उतीर्ण होना चाहिए :--
 - (क) मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्ड/विश्विद्यालय द्वारा संघालित गणित, भौतिक विज्ञान तथा रसायन विज्ञान पृथक विषयों के रूप में इंटरमी डियट विज्ञान परीक्षा।
 - (ख) कोई अन्य समकक्ष पाठ्यक्रम भ्रथीत् शिक्षा मंदालय, भारत सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिक विज्ञान श्रौर रसायन विज्ञान के साथ 10-1-2।
 - (ग) जहां 10+1 के पश्चात् 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम चलता है वहां पृथक विषयों के रूप में गणित, भौतिक विज्ञान तथा रसायन विज्ञान के साथ डिग्री पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष।
 - (घ) म्राई० म्राई० टी०/विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित सेकेंडरी परीक्षा (10-1) के बाद 5 वर्षीय इंटेग्नेट टेक्नालाजीकल/इंजीनियरी डिग्नी पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा।

नोट: 10+2 का श्रिभप्राय यह है कि श्रभ्यार्थी को एस० एस० एख० सी०/एस० एस० सी०/मेंट्रीकु लेशन या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न प्राप्त करने के पश्चात दो वर्षों की श्रवधि तक श्रवश्य श्रध्ययन किया होना चाहिए तथा पाठ्यकम पूरा किया होना चाहिए/ग्रन्तिम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए ।

(बी) वे ग्रभ्यर्थी-गण जिन्हें उपर्युवत श्रनुच्छेद (ए) में कथित न्यूनतम शैक्षिक योग्यता प्राप्त हो तथा जो विज्ञान में डिग्री परीक्षा में सम्मिलित हुए हों श्रथवा सम्मिलित होना चाहत हों, वे भी प्रवेश के लिय श्रावेदन करने के पात हैं।

श्रायु सीमा

वे अभ्यर्थी-गण जिनकी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता उक्त अनुच्छेद (ए) और (बी) के अनुसार हो, उन्हें प्रवेश वर्ष के पहली सितम्बर को 20 वर्ष की आयुसीमा के ग्रंदर होना चाहिए अर्थात् 1 सितम्बर, 1958 को या उसके बाद पैदा हुआ श्रवण्य होना चाहिए अर्मुस्चित जाति और श्रनुस्चित जन-जाति के श्रभ्यथियों की श्रायु-सीमा एक वर्ष श्रिधिक होगी।

श्रावेदन प्रपत्न

प्रशिक्षण पोत राजेन्द्र/मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय पाठ्यक्रम के लिये केवल एक ही श्रावेदन प्रपत्न होगा, श्रावेदन प्रपत्न रुपए 1/- के रेखांकित भारतीय पोस्टल श्रार्डर नौवहन महानिदेशक, बम्बई के पक्ष में लिया हो तथा जी० पी० श्रो०, बम्बई में भुगतान योग्य, भेजने से प्राप्त किये जा सकते हैं।

भ्रावेदन प्रपन्न कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षक), नौवहन महानिदेशालय, जहाज भवन, वालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई-400038 से, एक लिखित भ्रावेदन-पन्न के साथ रु० 1/- मूल्य का रेखांकित भारतीय पोस्टल श्रार्डर तथा निजी पता लिखा 23 से० मी० × 10 से० मी० श्राकार का, 40 पैसे का टिकट लगा लिफाफा संलग्न करके प्राप्त किया जा सकता है । भ्रावेदन प्रपन्न तथा निजी पता लिखा लिफाफा दोनों पर पन्न व्यवहार का पूरा पता स्पष्ट श्रक्षरों में लिखा जाना चाहिए। श्रावेदन-प्रपन्न हेतु प्रार्थनापन के लिफाफे पर "राजेन्द्र/मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण के लिए श्रावेदन प्रपन्न हेतु प्रार्थनापन्न"——ये शब्द बाएं हाथ की श्रीर कोने पर शीर्ष भाग में लिफाफे पर श्रीकित होना चाहिए।

विवरण पत्निका

दोनों पाठ्यक्रमों का पूरा विवरण तथा णुल्कों, छात्रवृत्तियों श्रादि के निवरण सहित निवरण पित्रका रु० 4/- के पृथक रेखां कित पोस्टल श्रार्डर के भुगतान पर जो कि नौवहन महानिदेशक के पक्ष में लिया हुआ हो तथा जी० पी० श्रो०, बम्बर्ड में भुगतान योग्य हो, प्राप्त की जा सकती है। विवरण पित्रका की आपूर्ति के लिए पूरा पत्र व्यवहार का पता स्पष्ट श्रक्षरों में लिख कर एक अलग आवेदन-पत्र कार्यकारों श्रीधकारी (प्रशिक्षण) नौवहन महानिदेशालय, जहाज भवन, वालचन्द होराचन्द मार्ग, बम्बर्ड-400038 के पास भेजना चाहिए। विवरण पित्रका श्राप्ति के लिये श्रावेदन पत्र के लिफाफ पर बायें कोने पर शीर्ष भाग में "विवरण पित्रका हेतु निवेदन"—शब्द श्रीकित होना चाहिए।

अंतिम तारीख

अविवाहित पुरुष अभ्यथियों से विहित प्रपत्न पर सब प्रकार से पूर्ण अविदन-पत्न कार्यकारी अधिकारी (प्रशिक्षण), नौबहन महा-

निदेशालय, जहाज भवन, वालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई-400038 के पास 31 मार्च, 1978 की या उससे पूर्व पहुंच जाना चाहिए। रिक्त स्रावेदन प्रपन्न की डाक द्वारा स्रापूर्ति 24 मार्च, 1978 की बंद हो जायेगी।

> ओ० पी० मल्होत्ना, एग्जीक्यूटिय ग्राफिसर, जहाजरानी निदेशालय

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 23/2/77-ई० सी०-2-केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्निलिखित ग्रिधिकारी त्रार्धक्य की ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त करके 31 जनवरी, 1978 (दोपहर बाद) सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

कम नामग्रौरपद सं०	कार्यालय
1. श्री प्यारा सिंह महल कार्यपालक इंजीनियर	कार्यपालक इंजीनियर (एल० एफ०) के० लो० नि० वि०, नईदिल्ली।
 एम० जी० मन्शारमानी कार्यपालक इंजीनियर 	सर्वेक्षक (निर्माण) 3, लो० नि० वि० (दि० प्रा०), नई दिल्ली ।
 एम० सी० मेहरा कार्यपालक इंजीनियर 	लोक निर्माण विभाग मंडल-14, नई दिल्ली।
	सु० सू० प्रकाश राध

सु० सू० प्रकाश राध प्रशासन उप-निदेशक कृते महानिदेशक (निर्माण)

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे महाप्रबन्धक (का०) का कार्यालय

गुवाहाटी-781011, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० ई/55/III/9। भाग-III (0)—श्वी श्रार० के० दत्त, जिन्हें उच्च श्रित्त स्थापना के परिचालन (यातायात) श्रीर वाणिज्य विभाग म सहायक श्रीधकारी परिवीक्षाधीन नियुक्त किया गया था, को दिनांक 20-12-1976 से श्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

सं० ई०/55/III/94-भाग-III (0)—श्री पी० एन० डोराइस्वामी, जिन्हें भारतीय रेलवे की उच्च यत्त स्थापना के सिथिल इंजीनियरी विभाग में परिवीक्षाधीन नियुक्त किया गया था, को दिनांक 20-1-78 से प्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

एम० भ्रार० एन० मूर्ति, महाप्रबन्धक विधि, ग्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पिनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रौर इन्दौर बाटलिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में ।

ग्यालियर, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 1252/ए०/77-78/826—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर इन्दौर बाटलिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जसराज बोहरा कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्व लियर

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और सदर्न पालि प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० 6284/560 (3)/77—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सदर्न पालि प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर कारडमम प्लान्टर्स यूनियन हाई स्कल कम्मिटी के विषय में । मद्रास, दिनांक 19 जुलाई 1977

सं० 446/560 (3)/77—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कारडमम प्लान्टर्स यूनियन हाई स्कल किम्मटी का नाम इसके प्रतिकल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेणन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडू

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रीर इनकनिन्द फेन्डरी कम्पनी प्राइवेट लि॰ (समापनअन्तर्गत) के विषय में।
कलकना, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० एल०/27718/एच० डी०/1809—कम्पनी म्रधि-नियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के म्रनुसरण में एनद्द्वारा यह सूनना दी जानी है कि भ्रादरणीय उच्च-न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 25-5-76 के भ्रादेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का भ्रादेश दिया है भ्रौर राज-कोय समापक, उच्चन्यायालय, क कत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

> एन० एन० मौलिक कम्पनियो का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

्कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978 आयकर

सं० जुरि-विल्ली/5/77-78/42986—श्रायकर श्रिधितयम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त श्रम्य सभी शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 20-1-78 से निम्नलिखित श्रायकर सिक्ल बनाए जाएंगे।

1/डिस्ट्रिक्ट-4 (3) म्रतिरिक्त, नई दिल्ली।

मं० जुरि-दिल्ली/5/77-78/43137—प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी को गई प्रधिसूचनान्नों में प्रशिक संशोधन करते हुए, आयकर प्रायुक्त, दिल्ली-5 निवेश देते हैं कि ग्रायकर प्रधिकारी, डि०-4(3) श्रतिरिक्त, नई दिल्ली का श्रायकर श्रधिकारी डि०-4(3), नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियो/मामलों के बारे में समवर्ती ग्रधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के ग्रन्तर्गत सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्यों के निष्पादन की सुविधा के लिए श्रायकर ग्रापुत, दिल्लो-5, निरोक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज-5सी को यह प्राधिकार भी देते हैं कि वे, जैसा कि ग्रायकर श्रायिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा 2 में श्रपेक्षित हैं, श्रादेशों को भी पास करें।

यह् यधिसूचना 28-1-1978 मे लागृ होगी। दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० जुरि/दिल्ली/5/77-78/43547—श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारां प्रदत्तं शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त श्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस श्रिष्य पर पहले के सभी आदेशों में आंशिक परिवर्तन करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे श्रनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त उसी श्रनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्फिलों के श्रायकर श्रधिकारियों के श्रधिकार क्षेत्र में श्राने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों, या व्यक्तियों के वगीं. म्राय या म्राय के वर्गी तथा मामलो या मामलों के वर्गी के बारे में उक्त म्रधिनियम के भ्रन्तर्गत निरीक्षीय सहायक म्रायकर म्रायुक्त के सभी कार्य करेगे।

श्रनुसूची

रेंज	श्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
िरोक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त रेंज-ऽए, नई दिल्ली	डि॰-2(1)एडमन॰ 2(2),2(3), 2 (4), 2 (5), 2 (6), 2 (7), 2 (8), 2 (9), 2 (10), 2 (11), 2 (12), 2 (13), 2 (14), 2 (15) व 2 (16), नई दिल्ली।

1	2
 निरीक्षीय सहायक ग्रायकर	<u>1. বিং-3 (19), 3 (20),</u>
श्रायुक्त, रेज-5 बी,	3 (27), नई दिल्ली।
नई दिल्ली।	2 डि॰-7, नई दिल्ली।
	 डिस्ट्रिक्ट-9, नई दिल्ली।
	4. रिफंड सर्किल, नई दिल्ली।
	5. डि॰ 1 (1), 1 (2), 1 (3)व 1(4),नई दिल्ली।
नेरीक्षय सहायक भ्रायकर	1. डिस्ट्रिक्ट-4, नई दिल्ली।
श्रायुक्त, रेंज-5सी,	 विदेश श्रनुभाग, नई दिल्ली ।
नई दिल्ली।	 डाक्टर्स सिकल, नई दिल्ली ।

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/106/77-78/---श्रतः मुझे नस्थू राम,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रंधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 58 कनाल 11 मरला जिसका खाता नं० 77/89 है तथा जो गांव : हवास, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित ह) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तिरती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से **हुई** किसीआय की बाबत उक्त
 - भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रवं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्खात्:—

- 1. श्री गुरबखस सिंह, पुत्र डा॰ चंदासिंह, वासी गांव : हावास सहसील व जिला लुधियाना । (श्रन्तरक)
- श्री बरिजपाल सिंह पुत्र गियान सिंह गरेवाल, वासी गांव, हावास, तहसील व जिला : लुधियाना । (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों घौर पद्गों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कानाल 11 मरला है धौर खाता नं० 77/89 है श्रौर जो गांव हावास, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है।

ँ जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सुधियाना के विलेख नं० 935 में दर्ज हैं।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ग्रायर भवन लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच/107/7-78—म्प्रतः मुझे, नत्थू राम,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कानाल 11 मरला हैं भ्रौर खाता नं० 77/89 है तथा जो गांव हावास, तसील व जिला लुधियाना में हिथत है (भ्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित ह), रजिस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की नावत, उन्त म्राध-नियम, के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अभ्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीतः—

- 1. श्रीमत्ती मलयंत कौर पुत्नी डा० चंदा सिंह वासी गांव हावास, तहसील व जिला लुधियाना (ग्रन्तरक)
- श्री मुहिन्द्रपाल सिंह पुत्र श्री गियान सिंह गरेवाल वासी गांव : हावास, तहसील व जिला : लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां गूरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाथर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढ़ों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कानाल 11 मरला, श्रौर खाता नं० 77/89, जोकि गांव हावास तहसील व जिला : लुधियाना में स्थित है ।

जारोबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 936 जून 1977 में दर्ज हैं।

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक मायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जेन रेंज, म्रायर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/220/77-78/342— श्रतः मुझे नत्थु राम,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कानाल 11 मरला है भौर जिसका खाता नं० 77/89 है तथा जो गांव : हावास तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी घाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रथित् :--- 1. श्री गुरबखस सिंह पुत्र डा० गंहा सिंह वासी गांव: हावास, तसील व जिला लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुहिन्द्रपाल सिंह पुत्र श्री गियान सिंह गरेवाल वासी गांव : हावास, तासील व जिला : लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कनाल 11 मरला, भ्रौर खाता नं० 77/89, जो कि गांव हावास, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकरर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख नं : 974 जून 1977 में दर्ज हैं।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीखाः 15 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी∙ एन० एस०-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269ष(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/221/77-78—-ग्रतः मुझे, नस्थु राम,

प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- कं से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र फल 58 कानाल 11 मरला जिसका खाता नं० 77/89 है तथा जो गांव हावास, तसील व जिला : लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीखा जुन, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है गौर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से ग्रिधक है भौर मन्तरक (श्रम्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त व्यक्ति नियम के ग्राधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

धतः धव, उन्त धिवितयम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त धिवितयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्रीमत्ती मिलवंत कौर. पुत्नी डा० चंदा सिंह वासी गांव : .हावास, तसील व जिला : लुधियाना । (श्रन्तरक)
- 2. श्री बरिजपाल सिंह पुत्र श्री गिरान सिंह गरेवाल वासी गाव : हावास, तसील व जिला लुधियाना

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुस्री

भूमि जिसका क्षेत्रफल 58 कानाल 11 मरला है ग्रौर जिसकाः खाता नं. : 77/89 ग्रौर जो गांव : हावास तसील व जिला लुधियाना में स्थिति है ।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 973 जून 1977 में दर्ज है।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

त्ररूप श्राई० टी० एन० एस०------

थ्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लिधयाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,0€0/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 210 वर्ग गज है तथा जो कि मौजा तराक सौदां तहसील श्रीर जिला लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जून, 1977।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रौर प्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (था) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपाने में सुनिधा के लिए;

धतः धन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, ग्रामीत् :--- श्री रतन चन्द पुत्र श्री फतेह चन्द दुश्रारा स्वदेशी बुल्म फैक्टरी, बलाही बाजार, लुधियाना

(ग्रन्तरक)

- 2. (i) श्री योग राज पुत्र श्री ग्रमर नाथ, मतुब्ररुपल कभिश्नर,
- (ii) श्रीमत्ती भगवन्ती विषष्ट पत्नीयोग राज निवासी दोराहा मण्डी, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रथं होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 210 वर्ग गज जो कि तरफ सैदा तहसील ग्रीर जिला लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के विलेख नं० 820 जून, 1977 को लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०→—--ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/१०/<mark>77-78---</mark>ग्रतः नत्थूराम,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 1000 वर्ग गंज है तथा जो ढंडारी कला तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुन, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्राय, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्!— मैसर्ज ग्रमर महिन्दर इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन (रिज०) गिल रोड, मिलर गंज, लुधियाना

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्ज भंवर मणीन ट्रन्ज (इंडिया) 493, जनता नगर, गिल रोड, लुधियाना ।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के संबंध म कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुपूची

प्लाट क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज जो कि ढंडारी कलां तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जो रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के विलेख नं० 829 जून, 1977 में लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

> तत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/117/77-78——अतः मुझे नत्थु राम,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान क्षेत्रफल 54 1/2 वर्ग गज तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुन, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और ग्रन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बाक्त बिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बायत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए।

श्रत: ग्रम, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अश्रीन निम्निसित व्यक्तियों, प्रकृत:--- 1. श्री मुलक राज पुत्र श्री राम लाल 250-स्रार०, माडल टाऊन, लुधियाना।

(भ्रन्तरकः)

2. स० परमजीत सिंह व श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री सरदार सिंह, निवासी 309, माडल टाऊन, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस शक्ष्याय म दिया नया है।

अनुसूची

दुकान क्षेत्रफल 54 1/2 वर्ग गंज जो कि (नं० वी० 4/1968) चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के विलेख नं० 1031 जून, 1977 के लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० बी० डब्ल्यू० एन०/2/77-78/——ग्रतः मुझे नत्थु राम,

आयंकर ग्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 41 बिघा 9 विसवा है तथा जो गांव बालाड खुरद तहसील व जिला संगरूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, भावानीगड़ में, रजिस्ट्री-करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

म्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 3-486GI/71

- 1. सर्व श्रीमती ग्रौर श्री (i) श्री० जंगीर कौर (विधवा) (ii) जखेल सिंह (i^{ii}) तेजा सिंह पूत्र श्री मनकंडी सिंह (iv) करनैल मिंह (v) तेजो (vi) गुड़ी उर्फ ग्रमर कौर वासी गांव वालाड खुरद डा० भिवानीगड़, तहसील संगरूर । (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वंश्री (i) जोगिद्र मिह (ii) मुहिन्द्र सिह(iii) जगिसह (iv) हाकाम सिह पुत्र श्री शेर सिह, वासी बालाड खुरद, डाकखाना भवानी गड़ तहसील, संगरूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 41 बिघा 9 बिसवा खाम खाता नं० 105/174 खसरा नं० 954/1 3-15 935/5-6 956/5-17 957/6-5 958/13-15 959/13-15 960/7-4 963/10-9 961-962/5-3 किल्ले 9 जो के गांव : बालाड खुरद, डाकखाना : भवानी गड़ तहसील तथा जिला संगरूर में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भवानी के विलेख सं० 159 जून 1977 में दर्ज है।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

> श्चर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० डी० एच०/222/77-78/----ग्रतः मझे नत्थ राम,

अायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमी जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल है तथा जो शेरपुर रोड बाईपास, लुधियाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जन, 1977

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ध्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसा धन या भन्य श्रास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, मै, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री श्रनंद साम्प पुत्र भुपिन्द्र सिंह, वासी गांव भाही तहसील लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

 मैंसर्ज् श्रारती स्टील, फिरोजपुर रोड, लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्च होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 करनाल है और जो शेरपुर रोड, बाईपास, लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 1574 जून 1977 में दर्ज है।

> 'नस्थू राम सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रजैन रेंज, लुधियाना

ता**रीख ।** 15-2-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/115/77-78—--- अतः मुझे, नत्थु राम,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल तथा जो शेरपुर रोड, बाईपास लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जून 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उकत श्रिष्ठितियम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थांत :--

- श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह वासी गांव : रकषा तहसील जगराऊ (भ्रन्तरक)
- मैंसरज ग्रारती सटील, फिरोजपुर रोड, लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल है श्रीर जो शेरपुर रोड बाईपास लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकरता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 1006 जून 1977 में दर्ज है।

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1978

प्रकप माई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/165/77-78——श्रतः मुझे नत्थू राम,

आयकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल है तथा जो जोरपुर रोड, बाईपास, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है, भौर भन्तरक (अन्तरकों) और भस्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रग्नीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भव उक्त भिन्नियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1 श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री नारंजन सिंह, वासी गांव राकबातासील: जगराऊं, (श्रन्तरक)
 - 2 मैंसरज ग्रारती सटील, फिरोजपुर रोड, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास हिल्लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम, के धध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कानाल है ग्रौर जो के जोरपुर रोड, बाईपास, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकरता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 1485 श्रगस्त, 1977 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जुधियाना

दिनांक : 15 फरवरी 1978

प्ररूप माई • टी • एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के धिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/1355/77-78---ग्रत: मुझे, नत्थु राम,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृ्ह्य 25,000/- इ० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1016 वर्ग गज है तथा जो तर्क गहलेवाल, तासील लुधियाना म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने के लिये सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें, भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

- 1 (i) श्रीमती सर्मादेवी (ii) श्री उत्मेण कुमार पुत डा०फकीरचंद,वार्सा 3/45, रूपनगर,दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2 (i) श्रीमती रीना पत्नी श्री किणन कुमार, (ii) श्रीमतीनीता, पत्नीश्रीविनोद कुमार,वासी 648, रूपा मिसतरी गली,लुधियाना

(ग्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की श्रमिश्र या तत्सबधी क्यों किसी पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रमिश्र, जो भी श्रमिश्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट, क्षेत्रफल 1016 वर्गगज जो के तरफ गहलेवाल, तासील व जिला लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा के रिजस्ट्रीकरता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख न ।268 जुलाई 1977 में दर्ज है।

> नत्थू राम सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/156/77-78/---श्रतः मुक्षे, नत्थूराम,

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है तथा जो कि तरफ गहलेवाल तहसील लुधियाना, (भालेज रोड) में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिक है और अन्तरक (धन्तरकों) घीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रश्नीन कर घेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्मिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (i) श्रीमती सरमा देवी (ii) श्री उमेश कुमार पुत श्री फकीर चन्द निवासी 3/45, रूप, नगर दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2 (i) श्रीमती बिमलादेवी पत्नी शिवपाल (ii) श्रीमती अरणा देवी सतीश कुमार निवासी 648, रूपा मिस्तरी स्ट्रीट लुधियाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त मन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भ्रिध-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्यें होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज जो कि तरफ गहलेवाल तहसील क्रोरजिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के विलेख नं० 1273, जुलाई, 1977 की लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीम्य : 15 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ब्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ब्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० रिहायकी मकान क्षेत्रफल 302.2 वर्ग गज एम० सी० नं० 426/4 बी०, 26 है तथा जो माना सिंह कलोनी, लुधियाना में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) भौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम, के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या मन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः ध्रव, उक्त श्रधिनियम को धारा 269 ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निश्निजिति व्यक्तियों, प्रयीत्:---

- 1 श्री नरेश कुमार पुत श्री देम राज, निवासी 1341/ बीठ 13, सुखरम नगर, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमत्ती सरोज गुप्ता पत्नी देश राजनिवासी 77-ऐक्स्टर रोड, नोटिंगम, इंगलैंड हाल श्रीमती सरोज गुप्तापुत्नी मुनी लाल पत्नी देश राज, बी०-II, मालीगंज चौक, लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान क्षेत्रफल 302.2 वर्गगज, एम०सी० नं० 426/1बी० 26 जो कि माना सिंह कलोनी, लुधियाना में स्थित है।

(जयदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के विलेख नं० 2363 श्रक्तूबर, 1977 को लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

मोह्यरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज लुधियाना लुधियाना,दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० पी० टी० ए०/16/77-78—-अतः, मुझे, नत्थ् राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 16 कनाल ० मरला है तथा जो कि गांव तरिपड़ी तहसील स्रौर जिला पटियाना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से मिश्चक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख्) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निचित व्यक्तियों, ग्रमितः—

- 1 श्री दौलत राम पुत्र हुकम चन्द नियासी फैक्टरी एरिया, उपकार नगर मकान न० 10162/5, पटियाला (अन्तरक)
- 2 सर्व श्री जीत सिह इन्द्र सिंह पुत्रान श्री तेजा सिंह, निवासी गांव झिल तहसील पटियाला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्खीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 16 कनाल ०मरला जो कि गाव तरिपड़ी तहसील ग्रौर जिला पटियाल में स्थित है।

(जायदाद जो कि रिजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के विलेख नं० 1497 जून, 1977 को लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजंग रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

मोहरः

प्रका माई० टी० एन० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/84/77-78—-ग्रतः, मुझे, नत्थ्राम,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ध्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक घर क्षेत्रफल 166 2/3 वर्ग गज है तथा जो महला गुरु नानक नगर, तरफ सैंद लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जून, 1677

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय को बाबन उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मिन्न अब, उन्त ध्राधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त ध्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—— 4—486GI/77

- 1. (i) श्री सुरेण कुमार पुत्र (ii) श्रीमती सवरना देवी वा पत्नी श्री कैलाण चंद्र वासी माधो पूरी लिधियाना (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सत्य वती विधवा श्री किशन चंद वासी बागवाली गली बी VI/326, कुच्या संता नाथी राम, लुधियाना (श्रन्ति ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक घर जिसका क्षेत्रफल 196, 2/3 वर्ग गज है श्रौर जो मुहला गुरु नानक नगर, तरफ सैदा लुधियाना में स्थित है।

जारोदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 772 जून, 1977 में दर्ज है।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायु**क्त** निरोक्षण ध्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० 🗻

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०∫87∫77-78---म्रतः मुझे, नत्यू राम,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० घर नं० 547-श्रार०, बी-XVIII/66 है तथा जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (प्रन्तरितीं) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; 'और/याः"
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- 1. श्री वरियाम सिंह, पुत्र श्री गन्डा सिंह वासी 547-श्रार० माडल टाऊन, लुधियाना (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरीकिशन गुप्ता, पुत्र श्री कुलवन्त राय 235-एल, माडल टाऊन, लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु सुची

घर नं० 547- म्रार०, बी-XVIII/66, जो कि माडल टाऊन लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा के रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 794 जून 1977 में दर्ज है।

> नत्थ राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियम्म

तारीखाः 15 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/1293/77-78/ 5593--श्रतः, मुझे एन० एस० चौपड़ा,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सी-8/15 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री राकेण अग्रवाल, सुपुत्र श्री किणन लाल श्रग्रवाल (2) श्री रामजी द्वास प्रग्रवाल सुपुत्र श्री देवी सहाय, निवासी 300 सुभाष बाजार, घरठ सीटी (यू०पी०) (3) श्रीमती सत्यावती गर्ग, पती श्री रघुनन्दन प्रसाद गर्ग, निवासी एफ-2/2, कृष्ण नगर, दिल्ली (4) श्री बी० पी० गोयल, सुपुत्र श्री सौहन लाल गोयल, निवासी एफ०-3/25, कृष्ण नगर, दिल्ली। जोकि मंगु रानी बनाम मंजु रानी पत्नी श्री शाम लाल गुप्ता के जरनल पावर श्राफ श्रटारनी है, निवासी द्वारा इन्जीनियरींग इन्सटीच्यूट, पटीयाला (पंजाब)।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती शारदा देवी, पत्नी श्री शांती सारूप, निवासी ई-5/7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (धा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्वित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रार्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 88 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० सी०-8/15 है; कृष्ण नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: रोड़

पश्चिम: प्लाट नं० सी-8/15 का शेष भाग उत्तर: प्लाट नं० सी०-8/15 का शेष हिस्सा दक्षिण: प्लाट नं० सी-8/15 का शेष हिस्सा

> एन० एस० चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II नई दिल्ली 1

तारीख: 6-2-1978

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस ० ----

भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली-1

4/14 क, श्रासफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1294/77-78/ 5593—-श्रतः मुझे,एन०एस० चौपड़ा

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भी-8/15 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1980 का 16) के श्रधीन तारीख 17-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रर्थात् :—

- 1. श्रीमती सत्यावती गर्ग, पती श्री रघुनन्दन प्रशाद गर्ग, निवासी एफ०-2/2 कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (2) श्री बी० पी० गोयला, सुपुत्र डा० सोहन लाल गोयला, निवासी एफ० 3/25, कृष्ण नगर, जोकि श्रीमत्ती मंगु रानी बनाम् मंजु रानी, पश्नी श्री शाम लाल गुप्ता के जनरल पावर श्राफ श्रटारनी है।
- 2. श्री रामेश श्रग्रवाल, सुपुन्न श्री किशन लाल श्रग्रवाल, (2) श्री रामजी दास श्रग्रवाल, सुपुन्न श्री देवी सहाय, निवासी 300, सुभाष बाजार मेरठ सिटी (यू०पी०) (श्रन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसुची

एक दुमंजिला मकान जोकि 63.1/4 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है तथा जायदाद नं ० सी०-8/15 का हिस्सा है, कृष्ण नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्वः रोड़

पश्चिम : प्लाट नं० सी०-8/15 का शेष हिस्सा

उत्तर: प्लाट नं० सी०-8 /15 का शेष हिस्सा

दक्षिण : रोड़

एन० एस० चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा: 6 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एन०-----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-II, दिल्ली-14/14 क श्रामफश्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1297/77-78/5593—प्रत. मुझे एन० एस० चौपड़ा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या 7857 है तथा जो नई बस्ती, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भौर (भन्तरिती) (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उका भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किनी धन ना भन्न भास्तियों को, जिन्हें भारसीय भाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यिक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्री स्रोम प्रकाश शर्मा, सुपुत्र पं० सीता राम, निवासी 7857, नई बस्ती, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (म्रन्तरक)
- 2. नई बस्ती समाज सुधार सभा, नई बस्ती, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली। इनके प्रेजिडन्ट श्री० देवी दयाल के द्वारा (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रार्नन के संबंध में ोई भी ग्राक्षीप: ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिविक नियम, के ग्रह्माय 20क में परिभाषित हैं, बही ग्रंथ होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुम जिला मकान जोकि 108 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका मुन्यसिपल नं० 7857, वार्ड नं० 14 है, नई बस्ती, बाड़ा हिन्दू राव दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : जायदाद नं० 7858 पश्चिम : जायदाद नं० 7856 उत्तर : श्रन्य की जायदाद

दक्षिण : रोड़

एन० एस० चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 6 फरवरी 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-II दिल्ली 4/14 क खासफअली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु० 11/1295/77-78/5593—- प्रत: मुझे एन० एस० चौपड़ा, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर

सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं श्रौर जिसकी संख्या दुकान नं० 284 तथा 285 है तथा जो फतहपुरी, चांदनी चौक दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है भोर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरिनयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् '--- 1. श्री जे० एस० डिलौन, सुपुत्त श्री एस० बी० इन्द्र सिंह, निवासी डब्ल्यू 146 ग्रेटर केलाश, नई दिल्ली स्वयं के तथा श्री० पतवन्त के लिए जरनल ग्रटारनी (2) श्रीमती गुरदीय नौनिहाल कौर (2) श्रीमती रासिल बासु जोिक सरदार राम सिंह काबली तथा सरदारनी हरनाम कौर ट्रस्ट के लिए ट्रस्ती है। निवासी 11, राटेणडन रो, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री राजैन्द्रामोहन तथा श्री० राधे मोहन सुपुत्र श्री ललीत मोहन, निवासी 177, राऊज एवैन्यू रोड़ नई दिल्ली तथा 2682, गली नं० 1, बिदनपुरा, करौल बाग नई दिल्ली (श्रन्तरिती)
- 3. मैं ० ललीत एण्ड कं० (वह व्यक्ति जिसके म्रिधिमोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्यहोगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दुकाने जिनके साथ पीछे का हिस्सा भी है, 157 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर बनी हुई है, जिसका न० 284 तथा 285 है फतेहपुरी, चांदनी चौक, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : मरकनटाईल बैंक भ्राफ इन्डिया तथा रास्ता

पश्चिम: द्धतेहपुरी रोड़ उत्तर: दुकाननं० 286 दक्षिण: रास्ता

एन० एस० चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II बिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखाः ६ फरवरी 1978

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर क्षिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी०/एक्यू० 11/1296/77-78/5622── मृत: मुझ एन० ए स० चौपड़ा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से धिधक है

ग्रीर जिसकी संख्या 56 वार्ड नं० 7, है तथा जो जवाला नगर, चन्द्रवाली, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची म पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 1-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखत में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत 'उक्त भिधिनियम' के मधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धनया प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम, की धारा 269 च की उपश्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यात्:--

- 1. श्रीमती बृज िकशोरी देवी, पत्नी श्री बसंत लाल जन तथा श्री विनोद कुमार जैन, सुपुत्र श्री बसंत लाल जन, निवासी 1430, गली संधियन, चांदनी चौक, दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री हर नाथ सेठ (2) श्री बदरो नाथ सेठ (3) श्री दीप किशन सेठ सभी श्री राधा रमण सेठ के पुत्र हैं (4) श्री ग्रशोक कुमार (नाबालिंग) सुपुत्र श्री काशी नाथ सेठ, निवासी 7/56 सरकुलर रोड़ शाहदरा, दिल्ली (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री काशी नाथ सेठ (2) श्री कृष्ण गोपाल (3) श्रीमती राम किशोरी (4) श्री निरंजन देव (5) श्री मोती लाल (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से _ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो 'उक्त द्याधिनयम' के मध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक मंजिला मकान जोिक 665 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुग्रा है, जिसका मुन्यसिपल नं० 56, वार्ड न० 7 है, जोिक कोठी शाम कुटी या गोिवन्दजी भवन के नाम से जाना जाता है, जवाला नगर, चन्द्रवाली, शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :——

पूर्व : 15 'चौड़ी सड़क पश्चिम : 60' चौड़ी सड़क उत्तर : कोयले का खुली डिपो दक्षिण : मकान नं० 56 ए बना हुन्ना।

> एन० एस० चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16 फरवरी 1978

(भ्रन्तरिती)

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० 4 /जून/77—यतः मुझे ए० टी० गोविन्दन, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 47 श्रीर 48/2 है, जो तिरुची मन रोड सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सेलम (पन्न सं० 918/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 16 जन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: मब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एस० पी० सेन्डरायन भ्रौर सन्डरायपेरुमाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए० तियागराजन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भो ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, दादगपट्टी, श्रार० एस० सं० 47 श्रीर 48/2 में 60 सेन्ट की भूमि श्रीर मकान में 1/3 भाग।

ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 15 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० 5 |जन|77|—यतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधिक है भ्रौर जिसकी सं० भ्रार० एस० सं० 47 श्रौर 48/2 है, जो तिरूची मैंन रोड सेलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्न सं०) 919/77 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिसक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के झन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिष्ठित्यम, या धन-कर प्रधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों अर्थात् :--5--486 GI/77

(1) श्री पी० रामचन्द्रन श्रीर श्रादी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० तियागराजन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशक्क किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिक नियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

<u>मनुसुची</u>

सेलम, दादागपट्टी तिरुची मन रोड ग्रार० एस० स० 47 भीर 48/2 में 60 सेन्ट की भूमि श्रीर मकान में 1/3 भाग।

> ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-!, मद्रास

तारीख: 15 फरवरी 1978

प्ररूप आई० टी० एन • एस० --

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के घष्ठीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैंन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० 6/जून/77 — यतः, मुझे ए०टी० गोविन्दन भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रीर एस० सं० 47 श्रीर 48/2 है, जो तिरुची मेन रोड सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, सेलम (पत्न सं० 920/77) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घधिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से धक्त धन्तरक लिख तम मारा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से धक्त धन्तरक लिख तम ही किया गया है:——

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिष्ठितियम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रम्ब भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिश्विनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या भ्रन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः मब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ग्रार० एस० पी० गोविन्दराजन भ्रौर भादी (श्रन्सरक)
- (2) श्री ए० तियागराजन

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनल सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे

स्वाचीकरवा: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितमम, के भ्रष्टमाय 20-क में परिभा-वित है, वही भर्य होगा जो उस भ्रष्टमाय में विया गया है।

अनुसूची

सेलम, दादगापट्टी, तिरुची मैंन रोड भार० एस० सं० 47 श्रीर 48/2 म 60 सेन्ट की भूमि श्रीर मकान में 1/3 भाग।

ए० टी० गोविन्सन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 15-2-78

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० 45/जन/77—अतः मुझे ए० टी० गोविन्दन, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिषक है और

जिसकी सं ०ए०बी० सुत्रभणियम स्ट्रीट, मद्रास-10, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मदरास (पन्न सं० 1745/77) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 16 के श्रीम 16 28-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिष्ठितयम के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन निम्निवित व्यक्तियों, मर्थात्।— (1) श्री के०ए० सुम्रमणियम श्रीर श्रादी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केरला मुसलिम एडुकेषन सोसैटी

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री के० पी० के० मनन (वहव्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) टी० एल० रामसेषन

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्राधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रीष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदरास-10, लान्डन्स गार्डन् सुन्नमणियम स्ट्रीट डोर सं० 1, 1 ए ख्रौर 1 बी (श्रार० एस० स० 154/12 भाग) में 11 ग्राऊन्ड श्रौर 1955 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

> ए० टी० गोविन्दन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेज-I, मद्रास ।

तारीख: 15-2-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, जालन्धर

जालन्धर दिनाक 14 फरवरी 1978

निदेश स०ए० पी० 1745—यतः मुझे बी० एस० दाहिया, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए ते प्रधिक है श्रीर

जिसकी सं ० जैसा कि श्रनुसूचि में विणित है तथा जो मोता सिंह नगर जालन्धर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन 1977।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (अन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग की ग्रायत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ग्रंपने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विक्षा के लिए;

अतः ध्रम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, में, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रभीन निम्मविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री सर्वणसिह पुत्र श्री में हर चन्द निवासी जाडियाला, जिला जालन्धर

(श्रन्तरक)

- 2. (i) श्री खुणाल सिंह पुत्रश्री मुन्शा सिंह (ii) प्रीतम कौर पात्नि श्री खुणाल सिंह निवासी परागपुर तहसील जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री जैसा कि ऊपर न 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचमा के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध्या प्रस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा जो उस शब्दाय में विया गया है।

अ**नुसूर्धो**

कोठी जैसा कि विलेख नं० 1689 जून-77 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दाहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज-^I, जालन्धर

दिनांक : 14 फरवरी 1978

प्रकप बाई । टी । एन । एस --

धायकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (मिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1746—यतः मुझे बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूचि में है तथा जो बहरम सरीशटा, जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जन 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त झिर्झिनयम, के झिर्धीन कर देने के झन्तरक के दास्तिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिखीन्:— श्रीमती ग्रमर कौर विधवा श्री हरनाम सिंह निवासी बहरम सरिशटा, तहसील जालन्धर

(भ्रन्तरक)

 गुरमल सिंह, हरवेव सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह, निवासी बहरम सरिशटा, तहसील जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राधिप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त श्रिश्चिमयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वही शर्य होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ज्ञमुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं०1445 जून 1977 को रजिस्ट्रीकर्त्ता मधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> वी० एस० दाहिया सक्षम प्राधिकारी स**हामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** ग्रजीन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14 फरवरी 1978

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1747—यतः मुझे बी० एस० दहिया, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है जो श्रलावलपुर जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक केदायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री भदर सैन पुत्र श्री केवल कृष्ण (खुद) तथा जी०ए०
 बिमला देवी 2 सत्य देवी पुत्रीयां श्री केवल कृष्ण 3 सत्या पाल
 इंद्र सैन पुत्र श्री केवल कृष्ण 5 राम बक्श पुत्र श्री बेली राम, निवासी श्रलावलपुर, तहसील जालन्धर (श्रम्तरक)
- 2. श्री करनैल सिंह, सुरिन्द्र सिंह, श्रजीत सिंह तथा नसीब सिंह पुत्र श्री शंकर सिंह निवासी दौलत पुर, तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो ।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं '

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इय सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1133 जून 77 को रिजस्ट्रीकर्त्ता म्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> बी० एस० दहिया सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-2-1978

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०-----

श्रायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ष (1) के भ्रष्ठीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निवेश सं० ए० पी०-174—यतः मुझे बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो सराय खास, जालन्धर में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1977। को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्ममान प्रतिफल के लिय, अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर धेने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिश्विनियम, या धन-कर मिश्विनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त भधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री संता सिंह निवासी सराय खास जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री तरसेम सिंह जरनैल सिंह, जसवंत सिंह पुत श्री मैहिगा सिंह पुत श्री सुरैन सिंह, निवासी सराय खास, जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. चैंसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिध-भोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्यविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्यविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भद्योद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीक पणः --- इसमें प्रमुक्त शम्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में वियागया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 2053 जून 1977 को रिजस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) मर्जन, रेंज जालन्धर

तारीख: 14 फरवरी 1978

प्रारूप आई०टी० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० 1749—यतः मुझे बी० एस० दिह्या, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० जसा कि अनुसूची में है तथा जो पूर्ण जवाहर नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम, के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुक्या के लिए;

भत: भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ंव की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीतः—

- श्री केवल कुमार प्रेम नाथ पुत्र श्री सतपाल, निवासी न्यू जवाहर नगर जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री तरलोक नाथ पुन्नश्री श्रघुर राम निवाबी जंडियाला, तहसील फिलौर जिला जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रिध-भोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्थ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी स्था से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलख नं० 1886 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्त्ता भिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-2-1978

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्तण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विमांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1750 ——यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

मायकर ग्रिप्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिप्टिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिप्टिक हैं भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो कूल रोड़, जालन्धर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर म रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) भौर धन्तरिती (भन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आव जा किसी धन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्हें भिंधिनियम, या धन कर मधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाम मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भी या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-गं के प्रमुखरण में, में, उक्त अधिनयम की घारा 269-घं की उपघारा (1) के अधीन मिम्नलिश्चित क्यक्तियों प्रधीतः :--6—486G1/77

- 1. श्री सुदेश मेहता पत्नी डाक्टर जतीन्द्र कुमार मैहता जी० ए० ग्राफ श्रीमित सरोज बाला जैन पत्नी श्री नेम चंद जैन मार्फत पी एस० जैन मोर्टज, जी० टी० रोड, जालन्धर (ग्रन्तरक)
- 2. डाक्टर जातिन्द्र कुमार महता, ४95-आर माडल टाउनः जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सवंधी ध्यंक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बादे में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाधर संपत्ति में हितबदा किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसाकि विलेख नं० 3562 ग्रगस्त 77 की रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दाहिया सक्षम प्रधिकारी सहायक आयंकर ग्रायुक्त (मिरीभण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख 14 फरधरी 1978 मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1751 — यतः मुझे, बी० एस० वाहिया,

आयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ब्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से ब्रिधिक है,

श्रौर जिसकी सं० जैंसा कि श्रनुसूची में है तथा जो जगरांवा, (जालन्धर), में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), राजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राध-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त घ्रधिनियम, या धनकर घ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीत निम्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—

- श्री कर्मजीत सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह पुत्र श्री ईवर सिंह । निवासी जगरांवा, (जालन्धर) (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रीत्तम देवी पत्नी श्री कर्मचन्द पुत्न श्री खुशाल चन्द, 107-श्रमर गार्डन, जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में छिच रखता हो (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही शर्थ होगा जो, उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1300 जून 77 को रिअस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 14 फरवरी 1978 मोहर ; प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी०-1752 — यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

षायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उम्स भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भिधिक है भीर जिसकी सं जैसा कि अनुमूची में है जो साई प्रावाल (जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त म्रधि-नियम, के म्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठित्यम, या धन-कर भ्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना श्राहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भवं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखन व्यक्तियों अर्थात् --

- श्रीमती सलीन्द्र कौर, बलवीन्द्र कौर पुलियां श्रीमती अजीत कौर पत्नी श्री ईन्द्र सिंह, निवासी बुलोबाल, (जालन्धर) (अन्तरक)
- 2. श्री दलीप सिंह पुत्र श्री पाला सिंह 2. सुरजीत कौर पत्नी श्री करनैल सिंह, बस्ती ईबराहीमपुर, जालन्धर (ग्रन्तरिती
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिध-भोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं ० 1230 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), श्रजन रोंज, जालन्धर

तारीख 14 फरवरी 1978 मोहर:

प्रहर पाई० दी० एन० एस० नकर----

आसक्द प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधील सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्ज रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1753— यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है जो खुन-खुन, (जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह सिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ध) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपज्ञारा (1) के प्रधीन निम्नितिखत व्यक्तिमों, अर्थात:—-

- श्री बखाशीश सिंह पुत्र श्री गुरदीत सिंह द्वारा जो० ए० श्रमर सिंह निवासी खुन-खुन, जालन्धर (श्रन्तरंक)
- 2. श्री बलदेव सिंह, कुलवीप सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी कंग साबू, जालन्धर (श्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)।
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्ब्रित में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

स्याद्धीकरण;—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्राधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 2068, जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु**प्त** (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख** : 14 फरवरी 1978

प्र**रूप ग्राई**० डी० एत्रव्र प्त०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी०-1754/375---यतः मुझे बी० एस० दहिया,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत श्रधिनियम' वहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में है तथा जो न्यू विजय नगर (जालन्धर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जलान्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है झौर सको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरग से हुई कितो आय की बाबत उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के मन्तरण के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या भ्रत-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री खलवंत राम पुत्र श्री अमीयात राम निवासी बस्ती नौ, जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री इन्द्र सैन (2) सुधीर सैन पुत्र श्री भीम सैन, 150-विजय नगर, जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मे इचि रखता हो (बह व्यक्ति, जनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पति मे हितबद्ध है) ।

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्तरि के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 प्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 1811 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी, जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम श्रिष्ठकारी स**हायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16 फरवरी 1978

मोइर:

प्ररूप भाई• टी॰ एन॰ एस०-

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश नं० ए०पी० 1755/376—यतः मुझे बी०एस० दक्षिया,

भायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० जैसा कि भ्रन्सूची में हैं तथा जो जालन्धर में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबक्ष भ्रन्सूची में भ्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्टीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः धव, उक्त मिधिनयम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिधिनयम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री सोहन लाल कोहली पुत्र श्री सीताराम, 238-लाजपत राएँ नागर, जालन्धर (भ्रन्तरक)
- मैं डी० भ्रार०पी० मैंटल वर्कस, द्वारा श्री प्रेम नाथ, होशियार पुर रोड, जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के झट्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस झट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1467 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० वहिया सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर म्रायुक्**त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 16 फरवरी 1978

प्ररूप धाई• टी॰ एन• एस•---

भायकर मििषियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1756/377—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

श्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द• से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूचि में है तथा जो गांव नारपुर (जालन्धर) में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है
भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों)
के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से खक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत जक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मय, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- 1. श्री श्रीत्तम सिंह पुत्र श्री विश्वन सिंह निवासी नारपुर, तहसील जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री मोहन सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री बेला सिंह निवासी पत्तर कला, तहसील जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति म रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1410 जून 77 को रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी जालन्धर म लिखा है

> बी० एस० दहिया स**क्षम** प्राधिकारी सहा**य**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 16 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्योलय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर,दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1757/378——यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्स ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनूसूची में है तथा जो बस्ती वानी शमन्दा (जालन्धर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पर्शि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उनत अग्नियम के भग्नीन कर देने के ग्रन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भेव, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह (2) करम जीत सिंह (3) मजीत सिंह पुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह, निवासी बस्ती दानीशमन्दा, जालन्धर (अन्तरक)
- 2. (1) दर्शन लाल पुत्र श्री नानक राम (2) मखन लाल पुत्र श्री धलो राम (3) श्रासा राम पुत्र श्री मला (4) इन्द्र राम पुत्र श्री नन्द लाल (5) भूपीन्द्र सिंह पुत्र शाम सिंह, निवासी बस्ती गुंजा, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैंसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके द्राधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के धार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों वर् सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भौर पदों का, जो स्वक्त धिनियम, के घध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं सर्व होगा जो उस सब्दाय में दिया गया है।

प्रमुषी

भूमि जैसा कि विलेख नं० 1161 जून 77 को रेजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> बी० एस० दक्षिया सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**च**: 16 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०--

भायकर मिश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 1758---यतः मुझ बी० एस० दिहिया,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती दानीशमन्दा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-तरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 486GI/77

- (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह (2) मंजीत सिंह
 करमजीत सिंह पुत्र श्री महिन्द्र सिंह, निवासी बस्ती दानीशमन्दा जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रो गिरवारी लाल पुत्र श्रो जगत राम (2) शिव राम पुत्र श्री जलु राम (3) सत पाल पुत्र श्री तारा चन्द (4) माता राम पुत्र श्री रखा राम (5) मुरीन्द्र, कृमार पुत्र श्री भीम सैन, (6) मन्सु भाई पत्नी श्री जगदीण चन्द (7) हरपाल सिंह पुत्र श्री चुनी लाल (8) बलदेव राज पुत्र श्री मुलख राज, निवासी बस्ती नौ, जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपरनं० 2 में है (बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है),
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे म श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यवितयो पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्ष्मों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित हैं. वही भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि विलख नं० 1206 जून-77 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिधिकारी जालन्धर म लिखा गया है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज जालन्धर

तारीख: 16 फरवरी 1978

प्रकार प्राई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनाक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० ए०पी० 103/बी-II/77-78——यतः मुझे पी०एन० मलिक,

आयकर ग्रिविनिग्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है ? तथा जो बादर (मोगा) में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनसूची में स्रोर पूर्ण रूप म वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (ग्रन्तरितयो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वाश्नविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; भ्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हे भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

ग्रत: ग्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री भोला सिंह, गुरदयाल कोर, हीरा सिंह, पुत्रान दल सिंह गाव वादर तहसील मांगा (ग्रन्तरक)
- 2 श्री बाबू सिंह पुत्र श्री जरनैल सिंह श्रीर हरदेव सिंह, श्रवतार सिंह पुतान धन्ना सिंह पुत्र भाग सिंह गांव बादर तहसील मोगा (श्रन्तारती)
- 3. जैसा (क ऊपर न० 2 म है। (बह व्यथित, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

बादर गाव में 105 कनाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1460 जून 1977 सब रजिस्ट्रार मोगा म लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, र्भाटडा

नारीख: 10-2-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, भटिंडा

> > महिंदा, दिनाक 10 फरवरी 1978

निदेश मं० ए०पी० 104/बी०ा/77-78——यतः मुझेपी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी गं० जैंमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बांदर में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्तां ग्रिधिकारी के कार्यालय गोगा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, श्रयति :---

- 1. श्री भोला सिंह श्रीमती गुरदयाल कौर हीरा सिंह पुत्रान दल सिंह गांव वांदर तहसील मोगा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बाबू सिंह पुत्र जरनैल सिंह ग्रीर हरदेव सिंह, श्रवतार सिंह पुत्र भाग सिंह गांव वांदर तहसील गोगा (ग्रन्तरिती)
- 3. जसा कि ऊपर नं० 2 म है। (वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति म हिच रखता है। (बह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभा-षित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

47 कनाल 6 मरले जमीन वांदर गांव में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1338 जून 1977 सब रजिस्ट्री मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मिलका सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

नारीख: 10 फरवरी 1978

प्रकप माई० टी• एन• एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 105/बी II/77-78—स्यतः मुझे पी० एन० मलिकः

धायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घ्रधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से घ्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बांदर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में भ्रौर पूर्ण रूप म वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय भोगा में राजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधिनियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के वायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्वर्गत :-

- 1. श्रीमती संत कौर पुत्नी बीर सिंह पह्नी गुरबचन सिंह द्वारा गुरबचन सिंह मुख्तयारे श्राम गांव बान्दर पुराना तहसील मोगा (अन्तरक)
- 2. श्री गुरदेव सिंह, जलौर सिंह, गुरनाम सिंह, करनैल सिंह पुतान गुलवंत सिंह ग्रौर रननोध सिंह, धीर सिंह पुत्रान गुरनैन सिंह गांव बांदर तहसील मोगा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

87 कनाल 2 मरले जमीन वांदर गांव में जैसा कि रिजस्ट्री नं० 1449 जून 1977 सब रिजस्ट्रार मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 10 फरवरी 1978

प्रसप भाई। टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कायलिय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त_ः (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश संडः ए० पी० न० 106/बी 11/77-78—यतः मुझे पी० एन० मलिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिष्ठीन सक्षम भाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो भौरा में हिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवां गहर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरिंत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः गव, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण मे, में उनत ग्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्ननिक्ति व्यक्तियों, प्रवात् :---

- 1. श्रीमती चर्णा कौर पुत्नी वरियाम सिंह वासी भौरा तहसील नर्वां शहर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री चर्णा सिंह पुत्र विरियाम सिंह वासी भौरा तहसील नवाँ शहर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारें में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 स्थित में किये जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में बचा-परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भौरा गांव में 36 कनास 10 मरले जमीन जैंसा कि रजिस्ट्री 1676 जुलाई 1977 सब रजिस्ट्रार नवाँ शहर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीख: 10 फरवरी 1978

प्रकप भाई०टी०गन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज भटिडा गटिडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश ए० पी० एन० 107/वी धि/77-78---यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए से श्रिधक है

भीर जिसकी मं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो जंडियाला (नवाँशहर) में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय नवाशहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अनः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- श्री दबेद्ध मोडत, श्रीर सिंह गणी पुत्र श्री चर्गेजीत सिंह शाशी गांव जंडियाला, तहसील नशाशहर (श्रन्सरक)
- 2. त्री देवा मिंह, कुलनदीप सिंह, प्रजीत सिंह पृत्नान कावल तिंह गांव कलेरा नहसील नवां भहर, जिला जलन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि अपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह यूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त मम्पत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इप सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे:

स्वक्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

जिष्टयाला गांव में 32 कनाल जमीन जैसा कि रिजस्ट्री नं० 1975 जुलाई 1977 सब रिजस्ट्रार नवां शहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 10 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर घिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भिष्टीन ग्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज भटिडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० ए०पी० 108/बी 11/77-78—यतः मुझेपी० एन० मिलकः,

श्चायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उवन श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से श्रिधक है

श्रौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो रसुलपुर (नवाँशहर) में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है,) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवाँ शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से श्रधिक है भौर धन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) स्रन्तरण से हुई किसो भाग को बाबत, उक्त स्रधिनियम, के स्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घार। 269म के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घार। 269 ध की नपधारा (1) के श्रधीन, निक्मिलिखन स्पक्तियों, धर्मातु ----

- श्री मुगेन्द्र सिंड, इसकीर सिंड पुढान भगत सिंह गाव राहो तहसील नवांशहर (अन्तरक)
- 2 भी विनोद कुमाणपुछ कृष्ण लाल गाव रमुणपुर तहसील नवाँगहर जिता जलन्धर (प्रतारिती)
 - (3) जैंगा कि नुरु 2 ने हैं । (बह व्यक्ति, जिसके युधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति से कि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया

अनुसूची

रसुलपुर गाव में 27 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1709 जुनाई 1977 सब रजिस्ट्रार नवाशहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, भटिंडा

तारीखः : 10 फरवरी 1978

मोहर

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० न० 109/BTT/77-78—यतः मुझे पी० एन० मिलक,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो जंडियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुलाई 1977

को पूर्विक्त सन्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत से श्रीधक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (खं) ऐसी किसी द्याय या किसी धनः व द्यन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय द्याय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:—

- 1. श्री हरबंस सिंह पुत्र लछमन सिंह वासी जंडियाला तहसील नवांशहर (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगतार सिंह पुत्र केहर सिंह गांव धन्डवाल तहसील फिलौर जिला जलन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जंडियाला गांव में 38 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 2063 जुलाई 1977 सब-रजिस्ट्रार नवौंशहर भटिंडा में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 10 फरवरी 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर **ध्रधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ध्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी 1978

निर्देश स० श्रार० सी० सी० 234/77-78---यन मृझे के० एस० वेकट रामन,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपये से धिष्ठक है

स्रौर जिसकी स० 10-16-23 है, जो कावाली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय कावली में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-77 को

पूर्वोक्त कियाल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, अक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) श्री नानि गरा मेसुरतनम पति जकरप्पा (2) श्रीमती एन नयीमी पत्ती यसेरतनम (3) जान पीता येसुरतनम-तमाम रहते है 23/71 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रनम-कमलम्मा पती श्रनम शीशरिडी श्रलवापा कनद्कूर प्रकाशम जिला (अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्ब्सीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

घर नं० 10-16-23 उदय गीरी रास्ता कावली रिजिस्ट्री दस्तकेज ने० 1359/77 उपरिजस्ट्री कार्यालय कावाली

> के • एस० नेकट रामन सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज हैदरागाद

तारीख 14 फरनरी 1978 मोहर: ाना आटे० टी० एन० एम०---जा ^{कर क्रा}निया, 1961 (1961 का 43) ही धारा

१६० प्रांतिसवा

भाग म कार

र पाप पद्मयक प्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेज, भोगल

ोगा, तिराप 13 परवरी 1978

ि - ७० साई० ए० सी० एन्म/ओमाज/77-78/132— चन, नुंगि० ७० बालो,

्र प्रस्म 1961 (1961 का 43) (जिसे प्रस्म पर्न 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), भी धा क प्रसिक्त सक्षम प्रातिकारी को, यह त्रिश्वास क प्रस्म प्रसिक्त सम्पन्ति, जिसका उन्तित वाज का 25 900/- र० से ग्रिधिक है

श्रीर ि ि ए महान (भाग) है, तथा जो मुडवाडा मे स्थित के किया समुद्र न्यू में प्रोर पूर्ण रूप रे प्राता , कि निर्णापिक होरो के नार्वात्रम, पुडबाडा मे, रिजन्ती र प्रविधिम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन तारीख 21-077

को पर्दों र मधिन क उचित बाजार मत्य से कम न दरनमान प्रितिक्ट के । प्रत-ित का गड़ ने प्रोरे मुझे पर विश्वास करन हा कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचत बाजार में उसके उध्यमान प्रतिकल का पन्द्रह ५ तसत से प्रधिक है और ६ (क्त-रको) कि शन्तरितों (अन्तरितिकों) न बीच एम धन्तरा के लिए नय समा गया प्रतिकल, 'नम्तिश्वित उद्देश्य में उत्तर ग्रामा किया है ——

- (४) धन्तरण से हुई किसो ग्राय का वाबत उत्त ्रितियम, क ग्रद्योत कर देते के ग्रन्तरण क् इधित्य के क्या करने न उससे बचा में मुखिता के निए, और/जा
- (ख) ऐसी किसी भ्राय ण किसी भ्रत या ग्रन्थ ग्राम्तियों को जिन्हें नारतीय भ्राय-कर श्रवितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता श्रवित्यम या भ्राप्त -कर भ्राप्त न्यम, 1957 (1957 का 37) के प्रयो नार्थ भ्रत्निती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चािष् था, जिपाने में सुविधा के लिए,

द्यतः, अत, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के **प्रधीन निम्न**लिखिन व्यक्तियो अर्थात्:—

- 1 (१) सैंगीन पुर की लाहिर यही (2) श्री किंदा हमैंन (३) १ गानार जो (४९१ गुजार जैन (5) शी ता के की सुग्र पर। जना निवासे नीम गज मादी श्री (सिन्थान) ताटा (क्रमाना)
- 2 श्रीमी, िरन बारी (२) नुनेता बारी पारी श्री सुरेगचर जैन स्पीतिश्वानी रणुनाथ सज सुडबाडा जिला जबल पुर (स्पारीनी)
- 3 (1) राजणावाजानी स्रोगान कर (बहुब्धिन जिनमें प्रशिक्षण में गाविही)

को यर मूचन। जारी करक एकोंना समान के अर्जन को लिए काप्रवासिक करना ।

उक्त सम्मिन । श्रार्वन रे सबध न कार्ड मां पाक्षेप :---

- (क) इस युचना क राजपत्र म प्रकाशन को ताशख से 45 दिन की प्रवाद का नत्मन्त्री व्यक्तियो पर स्वाद को को प्रविध को को प्रविध को को प्रविध को को प्रविध को से समान के किया के भीतर पूर्वोकत व्यक्तिया में प कियों व्यक्ति हारा,
- (ख) इस ्वता के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उक्त स्वावर सम्बन्ति में दिलाद्ध किसा अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चित्रित में किये जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो स्त्रीर पद्दो का, जो उक्त ग्राजितियम के ग्रध्याय 20 क मे परिभाषित है, वही ग्रय होगा' जा उम ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुनिस्पल नम्बर 174 ग्रौर 159(भाग) पर स्थित सुभास वार्ड मुडवाडा जिला जबलपुर।

> रा० कु० वाली सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख 18 फरवरी 1978 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा

269-व (1) वे प्रधीन मूचना भारत भरकार

कार्यातम, नहार ह प्रताहर स्राप्तुत, (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनां र 18 फरवरी 1978

निदेश सं० प्रा⁵० ए० को० ए.बी/भोगाप/77-78/933—— ऋतः मुत्रे रा० क० बाली,

आताकर आधितिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसले इसके पण्यात् 'उन्त अधितिएक' नहा गया है), की धारा 269-ख के अधित सब्य प्राधिकारी का, यह ।वश्वाम करने का कारण है कि स्थावत सपात जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो मुडवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपादद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से दिणत है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिविकारी के कार्यालय, मुडवाडा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिविनम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 2-6-1977

को पूर्वोक्त सात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास वरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रक्तित से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का रन्द्रह् प्रतिग्रा से प्रावस है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तर्गियो) क बीव ऐसे अन्तरण के। उए तय पाया गया प्रति-फल जिम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक व्यास संस्थित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स न्हें किसा साय का बाबत उक्त प्रधि-(त्यस के स्थान कर देन के अन्तरक क दासित्व में कमी करने या उनमें बचन में सुविधा के लिए; ग्रीर/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य खास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनसर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में द्विधा के किया

धतः अब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन जिम्मलिखित व्यक्तियो, ग्रथीत् :--

- 1. (1) सैफुड़ीन पुत्र श्री ताहिर श्रलों (2) श्री फिदा हुसैन (3) श्री फकरूड़ीन ग्रलों (4) श्री जुब्बार हुसैन (5) तसदुक हुसैन पुत्र श्री मुसुऊग्रली सभी निवासी भीमगंग गंडो, कोटा (ग्रन्तरक)
- 2. (1) ज्योतिपत्नी श्री सुभाषचन्द्र (2) श्रीमती शाशेवाई पाले श्री प्रकाणक्द्र (3) श्रीमती चमेली वाई पत्नी श्री कैलाशचन्द्र जैन सभी निवासी रघुनाथ गंज मुखाडा (ग्रन्तरिती)
- 3. शी रामप्रकाण व झूल चन्द्र (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नगित में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेगे।

स्वव्हीकरण:---इसमं प्रयुवत शब्दो और पदो का. जो उक्त शब्दिनयम है अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थं क्षेमा जो उन्हें अध्याय में (द्वा गंग हैं।

अन् मृचं:

म्युनिसिपल नं० 175 व 159 (भाग) विपरिंग नं० 493, स्थित सुभाप वार्ड, मुडवाड़ा, जिला जयलपुर।

> ॄरा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी, महायक अ.यक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज भोपाल

तारीख 18-2-1978 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०--

अ।यक्र म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 18 फरवरी 1978

निदेण सं० श्राई० ए० सी० एक्बी/भोपाल/77-78/934----रा०कु० बाली,

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० मकान (भाग) है तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्टीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रिजस्टीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफलके लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रीत से ग्रिधक है और ग्रन्तरित (ग्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त ग्रन्तरग निवान में वास्तिविक एप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या भ्रन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उस्त यधिनियम, की धारा 269ग के ग्रमुसरण में, मै, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थातः--

- मिस्पुद्दीन पुत्र श्री ताहिर ग्रली (2) फिदाहुसैन (3) श्री फकरद्दीन ग्रली (5) श्री जब्बार हुसैन (5) श्री तसदुक हुसैन पुत्र श्री युसुफश्रली सभी निवासी भीमगंज मडी, कोटा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नानक राम पुत्र श्री हिरदोमल सिधी निवासी रावर्ट लाइन, कटनी केम्प, कटटी नहरु मुख्याडा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राभेष :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के भ्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मृनिसिपल नं० 171 व 159 (भाग) स्थित सुभाष वार्ड, मुख्याङा तह०, जबलपुर।

> रा० कु० बासी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 18 फरवरी 1978

गोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेस्न, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/भोपाल/ 77-78/ 935----श्रतः मुझे, रा० कु० बाली

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान (भाग) ई, तथा जो मुख्वाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मुख्वाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 2-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, प्रोर धन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर धन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—-

- 1. श्री संफुद्दीन पुत्र श्री ताहिरग्रली (2) श्री फिदाहुसैन (3) श्री फकरूद्दीन ग्रली (4) श्री जुब्बार हुसैन (5) श्री तसदुक हुसैन पुत्र श्री मुमुफ श्रली सभी निवासी भीमगंज मंडी, कोटा (श्रन्तरक)
- श्रो परमानन्द पुत्र श्री मन्नाराम सिधी निवासी गुरूनानक वार्ड, मुख्याङा, जिला जबलपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिक्षिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

धनुसूची

म्युनिसिपल नं० 168 व 159 (भाग) वैरिंग नं० 493 स्थित सुभाप वार्ड, मुख्वाड़ा जिला जबलपुर।

> रा० कु० वाली, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ष**ः 18 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० म्राई० ए० सी० एक्यु/भोपाल/77-78/936— भ्रतः मुझे रा० कु० बाली,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुडवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 2-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269म के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्री सैहिंदि ५४ १८ ८०० । १००० हुसैन (3) फकह्दीन अली (4) जार हुँ १५५० १००५ हुसैन सभी पुत्र श्री एस्फ अली राभा निदाती भीर गंज मण्डी कोटा (राजस्थान) (अन्तरक)
- 2. श्री बद्री प्रसाद श्री मोई प्रसाद चौरिक्षिया नई बस्ती मुख्याड़ा जित्रा जबलपुर। (श्रम्परिति)

को यह सूत्रता जारी करक पूत्रित नंति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस ग्वना के राजपत्र े प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्क वंधी त्यांकर वो पर सूचना की तारील से 20 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रेमाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उपन स्थापर संपत्ति में हितवह किसी प्रत्य व्यक्ति दार अधोह गानरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयास शब्दों सौर पदों का, जो उक्त स्थितियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह नहीं अर्थ होगा जो उस भट्याय कादा की है।

अनुसूचा

म्युनिस्थिल नम्बर 162 श्रौर 159 (भाग) वैरिग नम्बर 493 स्थित सुभाष वार्ड मुडवाड़ा जिला जबलपूर।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18 फरवरी 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालन, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० ती० एक्वी०/भोपाल/77-78/937---ग्रत: मुझे रा० कु० वाली,

आयकर ब्रिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसवे पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रिधान मक्षम प्राधिवारी की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपोत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो मुडवाडा में स्थित है (और इसमे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-1677 को पूर्वोक्त सर्रत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित वा गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिक्तो) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) ने बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में भुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाजनार्थ अन्यारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: मब, उन्न प्रधितियम को घारा 269-म के सनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निविद्या अनिवनों. अर्थीत्:--

- श्री सैकुद्दोन पुत्र श्री ताहिर अली (2) श्री फिदा हुसैन
 (3) फकरूट्दोन अली (4) जुब्बरहुसैन (5) तास्दुक हुसैन पुत्र
 श्री सुयूफ अली सभी निवासी भीम गंज मंण्डी कोटा राजस्थान ।
 (अन्तरक)
- 2. श्री प्रेम सुख दाश नन्दलाल द्वारा पार्टनर श्री नर्रासह दास वजाज स्थान मेनरोड कटनी तहसील मुंडवाड़ा जिला जवलपुर (स्नन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिस्पल नंम्बर 172 श्रीर 159 (भाग) वैरिंग नम्बर 493 स्थित सुभाष वार्ड मुडवाड़ा तहसील मुडवाड़ा जिला जवलपुर।

> रा० कु० वाली, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18 फरवरी 1978

४६५ ग्राई० टी॰ एन० एस०--

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल भोपाल,दिनांक 18 फरनरी 1978

निदेश सं० स्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/938—-यतः मुझे रा० कु० बाली,

मायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिवित्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से भिविक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो मुख्याड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मुख्याड़ा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 2-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त घिधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या ग्रन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिगाने में यिन्या के लिए;

अतः श्रव उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्:---

- (1) श्री सफुद्दोन पुत्र श्री ताहिरश्रली (2) श्री फिबाहुसैन (3) श्रीफरुस्ट्नोन अली (4) श्री जुब्बर हुसैन (5) तस्दुक हुसैन पुत्र श्री यूसुफश्रली सभी निवासी भीम मंडी, कोटा गंज (श्रन्तरक)
- 2. श्री कृपाराम पुत्र श्री लाला सीता राम मेना निवासी स्टेशन रोड, मुडनाड़ा, जिला जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिवियम, के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्म होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिस्पल नं • 166 व 159 (भाग) वरिंग नं ० 483, स्थित सुभाष वार्ड मुडवाड़ा जिला जबलपुर ।

> रा० कु० बाली, स**क्षम प्राधिकारी**. सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (नि**रोक्तण**) श्रजेन रें**ग, भो**पाल -

तारी**च**: 18 फरनरी 1978

प्रकृप श्राई० टी० एन० एस०--

मायकर घिर्मियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के घ्रदीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्यू/भोपाल/77-78/939---ग्रतः मुझे रा० कु० वाली,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रुपए से श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनूसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 जन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री सैंफुद्दीन पुल श्री तः (द्रिर अली (2) फिबा हुसैन (3) फकरूद्दीन अली (4) जुञ्बरहुसैन (5) तास्दुक हुसन पुत्र श्री पूसुफ अली स्थान भीमगंज मंण्डी कोटा (राजस्थान)

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रकाणचन्द उर्फ श्रीचन्द पुत्र श्री सथराम मलसिन्धी गंकर लाल पुत्र श्री गोध्मल वाली मानवारी वाई (माता जी) सभी निवासी कटनी कःप कटनी तहणील मूडवाड़ा जिला जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के** लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्दों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिस्पल नम्बर 167 श्रौर 159 (भाग वैरिंग) नवम्बर 493 स्थित सुभाष वार्डं मुडवाड़ा जिला जबलपुर।

> रा० कु० वाली, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 18 फरवरी 1978

मोहरः

9-486GI/77

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आप्रकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-II

श्रहमदाबाद दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I 1409 (634)/16-6/77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रू० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 421, 421/1, प्लाट नं०-13, है, जो रामकृष्ण गेरी नं० 1, राजकोट, स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिनारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-6-77

(1908 का 16) के अधान 16-6-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनयम' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; भ्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) कस्तूरबन विध्वा तिभवनदास डाह्याभाई, की थ्रोर से पावर भ्रोफ एटारनी होल्डर श्री चंद्रकांत तिभवनदास पंचसरा, गोंडल रोड, राजकोट (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्रकुमार उर्फ, श्री कनूभाई कल्याणजी वसंत द्राँस्पोर्ट वाला, रामऋष्ण नगर, शेरी नं०, (प्लाट-13) राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उनत प्रधि-नियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्यं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्रचल सम्पति जो 226-1 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 421 तथा 421/1, प्लाट नं० 13, है तथा जो रामकृष्ण घोरे नं०-1, राजकोट में स्थित है। जिसका दस्तावेज नं० 2645 में वियागया है।

> ए० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

तारीख 14 फरवरी 1978 मोहर : प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० जे० डी० म्रार०/21/77-78—म्प्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठिक है

म्रीर जिसकी सं० फैंकटरी नं० ई० 33 है तथा जो यमना नगर में स्थित है (प्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन व अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :---

- 1 (i) श्री राम किणन पुत्र श्री कूलवंत राय निवासी कथिल
 - () श्री इशर दास पुत्र श्री देसराज निवासी यमना नगर
- (iii) श्री लच्छमन दास पुत्र श्री नानुमल निवासी नरवाना ।
- (iv) श्री तिलक चन्द पुत्र श्री राम किशन दास बजरीया श्री राम किशन दास पुत्र श्री कूलवंत राय मार्फत तिलक सनीकेट वर्कस, यमुना नगर (ग्रन्तरक)
 - 2 (i) श्री चुनी लाल पुत्र गूरदिता
 - (i^{i}) श्री सतीश चन्द पुक्त श्री चुनील,ल
 - (iii) श्री रोहतस कुमार पुत्र श्री बिहारी लाल
 - (iv) श्री प्रेम नाथ पुत्र श्री जयोती प्रकाश
 - (v) श्रीजनारधन दासपुत्रश्रीराम प्रसाद
- (vi) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री राम गोपाल मार्फत मिलाप सिलीकेट फैक्ट्री, ई-33, इन्डसट्रीयल एरीया, यमुना नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम, के श्रष्ठयाय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्ठयाय में दिया गया है

अनुसूची

फैक्ट्री नं० ई 33 जो के इन्डस्ट्रीयल एरीया, यमुना नगर में स्थित है।

सम्पति जैसे के रिजस्ट्रेशन डीड नं० 1321 तारीख 27-6-1977 में दी गई है और जो रिजस्ट्रीकरता अधिकारी के कार्यालय में 30-6-1677 को लिखी गई।"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14 फरवरी 1978

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कामीलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

य्रर्जन रेज सोनीपत रोड रोहतक, दिनाव 11फरवरी 1978

निदेश स० मी० गुच० डी०/43/77-78--- प्रत. मुझे रवीन्द्र कुमार पटर्गनया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बद्धा, जिसका उचिस बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक त

स्रोर जिसकी मि एस० मी० अ० न० 4, सक्टर 17, बी०- 4 है तथा जो चर्जाग्ड थे स्थन ह (स्रौर इमन उपाबद्ध स्रनूसुची म पूर्ण रूप में बिभिन है), रिचिस्ट्रीकर्सा ग्राधिवारी के कार्यालय, चन्डीगड में, राजस्ट्रीकरण प्रविधियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जुलाई 1977

कोपूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य ग कम क दूश्यमान प्रांतफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल रा, तसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत से श्रांधक ह श्रार यह कि श्रन्तरक (अन्तरका) और श्रन्तरिती (श्र तिश्वा) के बीच ऐस श्रन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक हम स निथत नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण संहर्ष्ड किसी द्याय की बाबत, उक्त आंधिनयम के भंधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; शोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियो, को, जिन्हे भारतीय भ्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ मन्ति।रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा के किए,

मतः मन, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण मे, में, 'उन्त मधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात् :—

- 1 श्रो महेण चन्द बनरा, नारेण चन्द बतरा पुत्र श्री बी० एल० यनरामनवासी 83 सेकटर 18, चम्डीगड (ग्रम्तरक)
 - 2 (1) श्रो नत्य बासी पुत्र श्री चरन सिंह बासी (11) हो तोहर्द्ध हिंह वासी उर्फ ामलखा सिंह बासी

- (mi)श्री काबल सिह बासी उर्फ श्री केहर सिह बासी
- (iv) श्री जे० नरकेण मिह बासी पुत्न श्री मोहिन्द्र सिह बासी उर्फ मिलखा सिह बासी
- (v) श्री गुलराज सिंह बासी पुत्र श्री महिन्द्र सिंह बासी उर्फ मिलखा सिंह बासी
 - (vi) श्री पालिपन्द्र सिह्बासी
- (vii) श्री राउविन्द्र सिंह बासी पुत्र श्री कावल सिंह बासी उर्फ केहर सिंह बासी सबी निवासी गाव व डाकखाना बीर बासीया तहि० फललौए जिला जलन्धर (श्रन्तरिती)
 - 3 (1) श्री तरसेम चन्द मैं फैशनेयर
 - (ii) श्री कुलदेव राज राज हस फोटो सेटर
 - (iii) श्री अजमेर सिंह टेलर
 - (iv) मैं पलैनरज ग्रुप
- (v) हरीयाना खंती विभाग एम० सी० डी० न० 4 सेक्टर 17, वी-4 चन्डीगड (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी ग्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति ने हितकद्व

 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जास हुने।

स्वद्धीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दो सीर पदों का, जो उक्त श्रधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

चार मन्जला एस० सी० डी० न० 4 सेक्टर 17, बी-4, चन्डीगड़।

"सम्पति जैसे कि रजिस्ट्रेणन न० 466 तारीख 27-7-1977 है ग्रीर रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यालय में 27-7-1977 को लिखी गई"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज रोहतक

तारीख 14 फरवरी 1977 मोहरः प्रकप माई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, सोनीपत रोहतक रोड रोहतक, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० के० एल० के०/2/77-78——ग्रत: मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है ग्रीर जिसकी संप्लाट नं० 5 है तथा जो पन्चकुला में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रज्ञ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कालका में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के धिधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ष्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- 1 श्री महिन्द्र सिंह,पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह निवासी चक झन्ड वाला तहि० मुक्तसर, (फरीदकोट) । (ग्रन्तरक)
- 2 मेजर रणजीत सिंह पुत्र श्री साधू सिंह 4 बटालीयन 5 गोरखा राइफल (एफ० एफ०) मारफत 56 ए० पी० ओ० (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधितयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्य होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 जिसका क्षेत्रफल 1000वर्ग गज है ग्रौर पन्चकुला में स्थित है।

"सम्पति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 442 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी कालका के कार्यालय में 9-9-1977 को दर्ज की गई"।

> रवोन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहा**य**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 14 फरवरी 1978

> म्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटन पटना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश III सं० 248/ग्रर्जन/77-78—म्ब्रत: मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचिस बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी संव्हावनं 8 वार्डनव 4 गज है, तथा जो कठोकर तलाव, गया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिन्दीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गया में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीखाजुन 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रक्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भ्रधिनियम को धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:---

- 1: श्री शिव प्रसाद, यत्द श्री प्रभूचन्द, अनुप कुमार लाल, मनोज कुमार लाल, नबीन कुमार लाल जो सभी पुत्र श्री शिय-प्रसाद श्रीमटी गौरी देवी जो पत्नी श्री प्रभू चन्द्र के राजेन्द्र प्रसाद श्रर्जुन प्रसाद जो पुत्र श्री कन्हैया लाल के, सा० भा० भुराद्दपुर, पो० गया, जिला गया (बिहार) श्रन्तरक
- 2. (1) श्रीमती विन्दु देवी पश्नी श्री सरयुप्रसाद 2. श्रीमत्ती रमोला देवी पत्नी श्री ग्रादित्य प्रसाद, जो मुदार पुर गया के है द्वारा मेसर्स नवहक्कूराम तुलसी प्रसाद, प्लाजा मार्केट जी० वी० रोड; गया (ग्रन्तरिती)
- 3 श्री कन्हैया प्रसाद पोद्वार, पोद्वारा ट्रान्सपोर्ट, गया। (यह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में मालीक है)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रकबा जमीन—एक तीन तल्ला, पक्ष्का मकान जो कठोकर तलाब गया में स्थित है, जिसका हो०न० 8, वार्ड नं० 4, जो गया का है। जिसका दस्तबेज सं० 6405 दिनाक जून 1977 में विणित है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख: 15 फरवरी 1978

प्ररूप घाई०टी० एन एस०———— ग्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के ग्रिघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० एस० भ्रार०/52/77-78/—यतः मुझे, एस० के० गोयल,

श्चायकर श्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिश्चित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-उ० से अधिक है

भौर जिसकी सं० खसरा नं० 1792 मिन 1794 मिन नया खसरा नं० 87/29 मिन है तथा जो, सराय रोड में स्थित है (ग्रौर, इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तहसील श्रमुसतर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जन 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269 ग के ग्रमु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269भ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात्:--

 मैसर्ज चानना फाइनिन्सियर्ज एवं चिट फंड, प्राइवेट लिमिटेड प्रकाली मार्किट श्रमृतसर द्वारा श्री कुलवन्त सिंह पुन श्री निहाल सिंह (2) श्री हरी सिंह पुन श्री लघा सिंह (3) श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह (4) श्री राम मूर्ति पुत्र श्री मनीराम (सभी चिट फंड फर्म के निदेशक हैं) (ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री राजिन्दर मोहन पुत्र श्री लाला देसराज (2) श्री देशराज पुत्र श्री बाधूमल (3) श्री गोवर्धन दास पुत्र श्री मोतीराम (4) श्री सुरजीत राय पुत्र श्री मोतीराम (5) श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री मोतीराम (6) श्री गुरचरनजीत पुत्र बाधमल (7) श्रीमती रमेण रानी पत्नी श्री ग्रमीरचन्द (8) श्रीमती चांदरानी पत्नी फकीर चन्द, बारा ज्ञानचन्द धवन एवं कम्पनी कमीणन एजेन्टस जंडीग्राला गुरु, तहसील ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
- 3 श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर ऋगांक 2 पर श्रांकित हैं श्रौर यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य ध्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही प्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो गोवाम, एक कार्यालय क्षेत्र, एवं खुला रिक्त 2583 वर्ग गज भूमि के साथ जंडीग्राला गुरु जो सराय रोड पर स्थित ह, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1650 जून 1977 रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधिकारी, तहसील—श्रमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-2-78

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th January 1978

No. A.12025/1/77-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri J. K. Khanna, S.S.O. II of the Armament Research and Development Establishment, Ministry of Defence, Pune-411 001 to the temporary post of Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of the 6-1-1978, until further orders.

The 21st January 1978

No. A.12019/2/78-Admn.II.—Shri Chand Kiran, a permanent Research Assistant (Hindi) of this office is hereby appointed to officiate on an ad hoc basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 16-1-1978 to 28-2-78, or until further orders, whichever is earlier.

> P. N. MUKHERJEE, Under Secretary, for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 21st January 1978

No. A.32014/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Hukum Chand, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistant (Grade

B of CSSS) in the same cadie, on purely temporary and ad hoc basis for a period of 46 days with effect from 5-1-1978 or until further orders, whichever is earlier.

Shri Hukum Chand should note that his appointment as Schiol Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and on ad lioc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or seniority in that Grade.

No. A. 32013/1/77-Admn I-The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade-I of the Service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Jamo	ame		Period	
S/Shri					
1. Vir Singh Ria	t			. 3-1-1978 to 18-2-1978	
2. R. R. Ahir				. 1-1-1978 to 18-2-1978	
3. Pritam Lal		•		. 12-11-1977 to 8-12-1977	

The 23rd January 1978

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office No. A.32013/3/6-Admn.1.—In continuation of this oince Notification of even number dated 20-12-1977, the President has been pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis for the period 30-12-1977 to 31-1-1978 or until further orders which ever is carlier.

P. N. MUKHERJEE Under Secy.

New Delhi-110011, the 18th February, 1978 CORRIGENDUM

No. F, 14/3/77-E, I(B)-In the Union Public Service Commission's Notice of even number relating to the Combined Examination (1978) for recruitment to Medical Posts in the Railways and Ordnance Factories Health Service, published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 29th October, 1977, the following amendments shall be made:-

Reference	For	Rend	
NOTICE			
Page 1, col. 1, para 1, lines 2 and 3.	14th March, 1978	27th May, 1978	
Page 1, col. 1, para 2.	AhmodabadTrivandrum	Ahmedabad, Allahabad, Bangalore Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandi garh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispu (Gauhati) Hyderabad, Jaipur, Jammu Lucknow, Madras, Nagpur, Panaj (Goa), Patiala, Patna, Shillong Simla, Srinagar, and Trivandrum	
Page 1, col. 1, 2nd sub-para of para 3(b), line. 1. Page 2, col. 1, para 3(c), last line. Page 2, col. 2, para 6, items (i) and (ii) Page 3, col. 1, para 7(A) (iii), line 5. Page 4, col. 2, para 13.	40 years	50 years	
	19th December, 1977	6th March, 1978	
	19th December, 1977 and 2nd January,1978	6th March, 1978 and 20th March, 1978	
	19th December, 1977	6th March, 1978	
	SCHEME OF EXAMINATION	SCHEME OF EXAMINATION—	
	The examination will comprise (1) a written examination in one paper of three hours duration containing objective type questions covering the subjects (i) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics; (ii) General Medicine including Paediatrics; (if) Preventive Medicine and Community Health including child welfare and Family Planning and (iv) Obstetrics and	The examination will comprise:— (A) Written Examination— The candidates will have the option to take the examination in any one of the following four papers which will be of 3 hours duration and contain objective type questions. (i) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics;	

Reference	for	Read
	Gynaccology; and (2) a Personality Test carrying equal marks, of candidates who qualify in the written examination.	(ii) General Medicine including Paediatrics; (iii) Preventive Medicine and Community Health including child welfare and Family planning; (iv) Obstetrics and Gynaecology. (B) Personality Test of candidates who qualify in the written examination. N.B.—The Written Examination and Personality Test will carry equal marks.
		B.S. JOLLY, Under Secy.

ENFORCEMENT DIRECTORATE

(FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT)

New Delhi, the 2nd February 1978

No. A-11/2/78.—Shri M. L. Acharya, Asstt. Enforcement Officer, Enforcement Directorate, Calcutta is appointed officiate as Enforcement Officer in Ahmedabad sub-z office of this Directorate with effect from 23-1-78 and until further orders.

J. N. ARORA

Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)

New Delhi, the 8th February 1978

No. A-31014/1/77-Ad.I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classifica-tion, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation & I.P.G., SPF, hereby appoints Shri Superintendent Y. S. Dikshitulu substantively as (FP), CFPB in CBI w.e.f. 1-1-1978. Deputy

F. No. A-19036/6/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri A. Aswatharamaiah, Inspector of Police, Central Bureau of Investigation, Bangulore Branch and an officer of Karnataka State Police to officiate as Deputy Supdt, of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 21-1-78 in a temporary capacity until further orders ther orders.

A. K. HUI

Administrative Officer (E)

C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL (CFNTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-24, the 8th February 1978

No. E-38013(3) /22/77-Pers.—On transfer from Thumba Shri P. K. P. Nair relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit ISRO Thumba with effect from the afternoon of 7th January, 1978 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Madras Fertilizers Ltd. Manali with effect from the forenoon of 18th January 1978.

No. 38013(1)/1/78-Pers.—On posting as Deputy Inspector General (Provisioning & Accounts) CISF Hars., New Delhi Shri Hans Raj Swan IPS Har-1957) assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 27th Ianuary 1079 ary, 1978.

L. S. BISHT Inspector GENERAI /CISF

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, RAJASTHAN

Jaipur, the 7th February 1978

Admn.II/G-G-Notification.—Accountant General. No. Rajasthan, Jaipur is pleased to appoint Shri Manohar Lal Goyal, Section Officer of this office as officiating Accounts Officer until further orders with effect rom 31-1-1978 (F.N.).

R. A. BORKAR

Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, M. P. Gwalior, the 7th February 1978

No. Admn.1/528.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to accord proforma promotion to Shri S. D. Sharma (02/0223) Section Officer, as Accounts Officer in the officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. 6-10-77 forenoon, i.e. the date from which his next junior Shri G. T. Mithe Section Officer has

been promoted as Accounts Officer in this office,

KRISHNA GOPAL Senior Deputy Accountant General (Administration)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, WESTERN RAILWAY, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1978

No. SA/HQ/Admn./IX/6/Vol.IV/7284.—Shri J. P. Arora, permanent Section Officer of this office has been promoted with effect from 31-1-1978 (A.N.) and is posted as Audit Officer (Construction), Viramgaum-Okha Project, Western Railway, Rajkot from the same date.

A. N. BISWAS Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HQRS., CIVIL SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700069, the 24th January 1978

No. 3/78/A/E-1,—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Ganguly, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt, retired from service with effect from 30-11-1977 (A.N.).

The 31st January -1978

No. 4/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Santi Kumar Banerjee, Subst. & Permt. ASO retired from service with effect from 31-1-78 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI ORG/Admn.11 for Director General, Ordnance Fys.

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIFS & DISPOSALS

(Admn./Sec. A-6)

New Delhi, the 13th February 1978

No. $\Lambda6/247/(288)/77$.—Shri Joginder Lall a permanent Assistant Inspecting Officer (E) and officialing as Asstt. Director of Inspecting (E) Grade III of IAS Class I Engs. Branch) in the Hddrs office, DGS&D. New Delhi retired from Government service w.e.f. the afternoon of 31st January, 1978 on attaining the age of superannuation i.e. 58 years.

SURYA PRAKASH, Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-700016, the 5th February 1978

No. 1060/B/14/76/19A.—Shri D. K. Rov Chowdhury, Assistant Cost Accounts Officer, Geological Survey of India has been released from the service in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of the 31st December, 1977 for joining the Jessop and Co. Ltd.

V. S. KRISHNASWAMY

Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 13th February 1978

No. A-19012(99)/77-Estt. A.—Shri Shyamji Singh Permanent Senior Technical Assistant (O.D.) is promoted to officiate as Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines on ad hoc basis with effect from the forenoon of 2nd January, 1978 until further orders,

L. C. RANDHIR
Head of Office
Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 8th February 1978

No. A-12026/2/78-Admn. I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri S. C. Jain, a temporary Business Fxecutive to officiate on ad hoc basis as Assistant Business Manager in this Division vice Shri L. R. Batra, Assistant Business Manager granted leave for a period of 48 days from 30-1-1978 to 18-3-1978.

2. This ad hoc appointment will not bestow on Shri S. C. Jain a claim for regular appointment in the grade of Asstt. Business Manager. 'This service will also not count for the purpose of seniority in the grade.

INDRAJ SINGH

Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 7th January 1978

No. A. 19019/32/77-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt) Sarita Devi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Mccrut on temporary basis with effect from the forenoon of 5th January, 1978.

The 25th January 1978

No. A. 19019/40/77-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Kusum Dutta to the post of Homoeopathic physician in the Central

Govt. Health Scheme at Allahabad on temporary basis with effect from the afternoon of 2nd January, 1978.

N. S. BHATIA

Deputy Director Administration

New Delhi, the 13th February 1978

No. A. 32014/9/77(HQ)Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Shrivastav to the post of Technical Officer (Prevention of Food Adulteration) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 24th December, 1977 in a temporary capacity until further orders.

S. L. KUTHIALA

Dy. Director Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION (NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 17th January 1978

No. NAPP/18/41/76-Adm./Vol. II.—Director, Power Projects Engineering Division hereby appoints Shri M. H. Joshi, a temporary Draughtsman 'C' in Narora Atomic Power Project, as Scientific Officer Engineer Grade 'SB' in the same Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

B. V. THATTE
Administrative Officer
for Director

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 13th February 1978

Ref. HWPs/Estt./1/B-12/777.Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Puransingh Kartarsingh Bheka, a temporary Assistant Security Officer of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Security Officer in the sum project in a temporary capacity on an ad hoc basis from August 9, 1977 (FN) to September 14, 1977 (AN) vice Shri P. B. Bakshi, Security Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN Senior Administrative Officer

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam-603 102, the 27th January 1978

No. CEG/3(690)/72-Adm.—Consequent on the acceptance of the resignation Shri B. R. Nagaraj, a temporary Scientific Officer/Engineer SB, Civil Engineering Group of this Department, relinquished charge of his post in the grade SB on the afternoon of December 24, 1977.

V. S. VENKATESWARAN Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SHAR CENTRE

Sriharikota-524 124, 16th December 1977

No. SCF: P&GA: ESTT: 1/72.—The Director is pleased to accept the resignation from Service of Shri B. Sugumar, Temporary Fugineer SB of the SHAR Centre, Sriharikota of the Department of Space with effect from the afternoon of the 5th September, 1977.

R. GOPALARATNAM

Head, Personnel & General Administration for Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th February 1978

No. E(I)03948.—Shri R. Y. Dabir, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Dy. Director General of Observatorics (Climatology), Pune, India Meteorological Department was granted earned leave for 106 days with effect from 17-9-1977 preparatory to retirement. On expiry of the leave he retired from the Govt. service on the afternoon of 31-12-1977.

G. R. GUPTA Meteorologist

for Director General of Observatories

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 7th February 1978

No. 1/449/77-EST.—Shri Samaullah, was appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in Arvi Branch, with effect from the afternoon of 4th November, 1977. His resignation from service, has been accepted with effect from the afternoon of 30th November, 1977.

P. G. DAMLE Director General

Bombay, the 6th February 1978

No. 1/188/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. V. Padmanabhan, Supdt., Headquarters Office, Bombay as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the Calcutta Branch, on *ad-hoc* basis, for the period from 19-12-77 to 24-1-78 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/407/78-EST.—The Director General, Overscas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Saha, Senior Foreman, Calcutta Branch as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch on ad-hoc basis for the period from 9-12-77 to 13-1-78 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY Administrative Officer for Director General

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 4th February 1978

No. 2/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collectorate, Central Excise, Kanpur/Allahabad Estt. order No. 52/77 dated March 77 issued under endt, C. No. II(3)93-Et/77/6838 dated 11-3-77 and transfer vide this office Estt. order No. 1/A/203/77 dated 24-6-77, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40 1200, Shri Sohan Kampani, Inspector (SG) took over the charge of Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur-I in the forenoon of 8-7-77.

K. P. ANAND Collector

ADMISSION TO THE TRAINING SHIP RAJENDRA AND THE DIRECTORATE OF MARINE ENGINEERING TRAINING CALCUTTA/BOMBAY FOR THE ACADEMIC YEAR—1978

Bombay-2, the 10th February 1978

No. 7FC(1)/77.—A Combined Written Qualifying Examination will be held on 25th and 26th May 1978, for admission to the Navigation (One Year) and Marine Engineering

(4 years) course in the above mentioned institutions at the following centres subject to sufficient number of candidates being available at each centre:—

EXAMINATION CENTRES

1. Ahmedabad, 2. Bangalore, 3. Bhopal, 4. Bombay, 5. Calcutta, 6. Chandigarh, 7. Cuttack, 8. Delhi, 9. Ernakulam, 10. Gauhati, 11. Hyderabad, 12. Jaipur, 13. Lucknow, 14. Madras, 15. Nagpur, 16. Patna, 17. Srinagar, 18. Port Blair, 19. Trivandrum, 20. Visakhapatnam.

Subjects for the examination will be (1) English (One Paper) 3 hours—100 marks, (2) Mathematics (One Paper) 3 hours—100 marks, (3) Physics (One Paper) 3 hours—100 marks, (4) Chemistry (One Paper) 1½ hours—50 marks, and (5) General Knowledge (One Paper) 1½ hours—50 marks. On the basis of the result of the entrance examination, candidates will be called for a medical examination and an Interview before the Selection Board at Calcutta/Bombay. The candidates will have to bear the travelling expenses and to arrange for the boarding and lodging at the centres of the examination and Interview.

Fifteen per cent of the seats are reserved for candidates belonging to Scheduled Caste and Five per cent for Scheduled Tribes for admission to T.S. Rajendra and Marine Lugineering Training provided suitable candidates are available.

QUALIFICATION FOR ADMISSION

- (A) Candidate must have passed any one of the following examinations:
 - (a) The Intermediate Science Examination conducted by a recognised Board of Education/University with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects.
 - (b) Any other equivalent course i.e. 10+2 with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects approved by the Ministry of Fducation, Govt. of India.
 - (c) Where the 3 years Degree Course can be taken up after 10+1 the first year of the Degree course with Mathematics, Physics and Chemistry as separate subjects.
 - (d) First year examination of a 5 year integrated Technological/Engineering Degree Course after Higher Secondary Examination (10+1) conducted by I.I.Ts./ Universities.
- Note:—10+2 means a candidate must have studied for a period of 2 years and the course completed/passed the final year examination after obtaining S.S.L.C./ S.S.C./Matriculation or its equivalent certificate.
- (B) Candidates who have the minimum educational qualification as stated in para (A) above and who have appeared or intend to appear at the examination for a Degree in Science are also eligible to apply for admission.

AGE LIMIT

Candidates who have the minimum educational qualification, as stated in para (A) and (B) above must be within the age limit of 20 years on the 1st September of the year of entry i.e. must have been born on or after 1st September 1958. For the Scheduled Caste and Scheduled Tribe candidates the age limit will be higher by one year.

APPLICATION FORM

There is only one application form for T.S. Rajendra/D.M.E.T. course. Application form can be had on payment of Re.1/- by Crossed Indian Postal Order drawn in favour of Director General of Shipping. Bombay and payable at G.P.O. Bombay.

Application forms are available from the Executive Officer (Training), Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, on submitting an application in writing enclosing Crossed Indian Postal Order of the value of Re. 1/- and a self-addressed envelope of 23 cms. by 10 cms. with 40 paise postal stamps. Complete postal address in Capital Letters should be given both in the application and the self-addressed envelope. Cover containing the

application for supply of application form should bear the words "REQUEST FOR RAJENDRA/DMET APPLICATION FORM" on the top left hand corner of the envelope.

PROSPECTUS

Prospectus containing full particulars of the two courses and deails of fees, scholarships, etc. is obtainable on payment of Rs. 4/- by Seperate Crossed Indian Postal Order drawn in favour of the Director General of Shipping, Bombay and payable at G.P.O. Bombay. Separate application addressed to Executive Officer (Training) in the Directorate General of Shipping, Jahaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay 400 038, should be made for supply of Prospectus with complete postal address in Capital Letters. Cover containing the application for supply of Prospectus should bear the words "REQUEST FOR PROSPECTUS" on the top left hand corner.

CLOSING DATE

Applications in the prescribed form complete in all respects from unmarried male candidates should reach the Executive Officer (Training) Directorate General of Shipping, Jahas Bhavan, Walchand Hirachand Marg, Bombay-400 038, on or before the 31st March 1978. Applications received after the due date will not be considered. Supply of blank application form by post will be closed on 24th March 1978.

O. P. MALHOTRA
Executive Officer
Directorate General of Shipping

CENTRAL PUBLIC WORKS DETARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 14th February, 1978

No. 23/2/77-EC. II—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the ago of superannuation (58 years) have retired from Government service with effect from 31-1-1978 A. M.

Name and Designation	Office
1. Shri P. S. Mahal, Executive Engineer.	Excutive Engineer (LF), C. P. W. D., New Delhi.
2. ShriM. G. Manshramani, Executive Engineer.	S. W. III, P. W. D. (Delhi Admn.) New Delhi.
3. Shri M. C. Mehra, Executive Engineer.	P. W. D. Division XIV (Delhi Admn.) New Dclhi.

S.S. RAU Deputy Director of Admn. for Director-General (Works)

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY OFFICE OF THE GENERAL MANAGER (P)

Gauhati-7810111, the 6th February 1978

No. E/55/III/91 P. III(O).—Shri R. K. Dutt who was appointed as Assistant Officer on probation in T(T) & C Department of Superior Revenue Establishment is confirmed in the Junior Scale with effect from 20-12-1976.

No. E/55/III/94 Pt. III(O).—Shri P. N. Doraiswamy who was appointed as a Probationer in the Civil Engineering Department of the superior Revenue Establishment of Indian Railways is confirmed in the Junior Scale with effect from 20-1-78.

M. R. N. MOORTHY

General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Indore Bottling Company Limited.

Gwalior, the 9 February 1978

No. 1252/A/77-78/826.—Notice is, hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Indore Bottling Company Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

J. R. BOHRA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sri Renuka Films Private Limited.

Madras-6, the 7th February 1978 CORRIGENDUM

No. 2358/560(5)/77.—Please read as "that the name of M/s. Sri Renuka Films Private Limited" after the words "Companies Act, 1956" appearing in the Notification No. 2358/560(5)/77, dated 25-10-77 published in the Gazette of India, Part III Section I dated 19-11-77 at page No. 5268.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Southern Polyplastic Private Limited.

Madras-5, the 10th February 1978

No. DN/6284/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Southern Polyplastic Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Cardamom Planters' Union High School Committee

Madras, the 19th July 1977

No. DN/446/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Cardamom Planters' Union High School Committee unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN

Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Incandescent Foundry Co. Pr. Limited.

Calcutta, the 9th February 1978

No. L/27718/HD/18094.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 25-2-76 and the Official Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MAULICK Asstt. Registrar of Companies

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-V

New Delhi, the 6th February 1978

No. JUR-DLI/V/77-78/42986.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-

tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 28-1-1978.

(i) Distt. IV(3) Addl. New Delhi.

F. No. JUR-DLI/V/77-78/43137.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V hereby directs that the Distt. IV(3) Addl. New Delhi shall have concurrent jurisdiction with Income-tax Officer, District-IV(3), New Delhi in respect of the persons/case assessed/assessable by them excepting the case assigned u/s 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-V also authorised the I.A.C. V-C to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the I.T. Act 1961,

This notification shall take effect from 28-1-78.

The 10th February 1978

No. JUR/DLI/V/77-78/43547—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, mentioned in column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases of classes or cases as fall within

jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in col. 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

of Income-tax, Range-V-A, New I Delhi. I	2 District-II(1)Admn, II(2), II(3), II(4), II(5), II(6), II(7), II(8), II(9), II(10), II(11), II (11)
of Income-tax, Range-V-A, New Delhi.	II(3), II(4), II(5), II(6), II(7), II(8), II(9), II(1)
1 1	Addl. II(12), II(13), II(14), II(15) & II(16), New Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-B, New Delhi.	(i) District-III(19), III (20). III(27) ii) District-VII, New- Delhi. iii) District-IX, New- Delhi. iv) Refund Circle, New Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-C, New-Delhi,	 (v) District-I(1), I(2), I(3) and I(4), New-Delhi. (i) District-IV, New-Delhi. (ii) Foreign Section, New Delhi. iii) Doctors' Circle, New Delhi.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. I.DH/106/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land measuring 58 kanal and 11 marlas khata No. 77/89 situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Ludhiana in June, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay, tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurbakhsh Singh, s/o Dr. Chanda Singh, R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.
- (2) Shri Brijpal Singh, s/o Shri Gian Singh Grewal, R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tchsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 935 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/107/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89 situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Milwant Kaur d/o Dr. Chanda Singh, R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.
- (2) Shri Mohinderpal Singh, s/o
 Shri Gian Singh Grewal,
 R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 936 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/220/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Gurbakhsh Singh, s/o Dr. Chanda Singh, R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana. (Transferor)

 (2) Shri Mohinderpal Singh, s/o
 Shri Gian Singh Grewal,
 R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and, measuring 58 kanal and 11 marlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 974 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

Smt. Milwant Kaur, d/o
 Dr. Chanda Singh,
 R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Briipal Singh, s/o
 Shri Gian Singh Grewal,
 R/o Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.
 (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/221/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing 25.

Land, measuring 58 kanal and 11 matlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11-486G1/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 58 kanal and 11 matlas, Khata No. 77/89, situated at Village Hawas, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 973 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. J DII/88/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, I udhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 210 Sq. yds.
Situated at Moja Taraf Saidan Teh. & Distt. Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rattan Chand son of Shri Fateh Chand C/o Sawdesi Woollen Factory, Balahi Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

 (2) (i) Dr. Yog Raj s/o Sh. Amar Nath.
 (ii) Smt. Bhagwanti Vashist w/o Yog Raj, Municipal Commissioner, Rly. Road, r/o Doraha Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 210 Sq. yds. situated at Taraf Saidan Teh. & Distt. Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Dccd No. 820 of June, 1977 of Registering Authority at Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDII/90/77-78 —Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Range, Ludhiana. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Plot measuring 1000 Sq. yrd.

situated at Dhandari Kalan Teh. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Amar Mohinder Industrial Corporation (Regd) Gill Road, Millarganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Bhambar Machine Tools (India) 493, Janata Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot measuring 1000 Sq. yds. situated at Dhandari Kalan Tehsil, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 829 fo June 1977, of Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mulak Raj, s/o Shri Ram Lal., 250-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Paramjit Singh, and Shrimati Surinder Kaur, w/o Shri Sardar Singh, R/o 309, Model Town, Ludhiana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/117/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop, measuring 54½ sq. yds., situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

l udhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop measuring 54½ sq. yds. in Chaura Bazar, Ludhiana (No. B-IV/1968).

(Property as mentioned in the registered deed No. 1031 of June 1977, of Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

No. BWN/2/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 41 Bigha 9 Biswa situated at Village Balad Khurd Teh. & Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhawani Garh in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:-

S/Smt & Shii (i) Smt. langit Kaur (Wd) (ii) Jarnail Singh (iii) Teja Singh (iv) Karnail Singh sons of 7 Shri Man-(v) Teoj (vi) Guddi Alias kandi Singh Ds/o Ajmar Kaur. Residents of Village Balad Khurd P.O. Bhawani Garh, Teh Sangrur. (Transferor)

S/Shri

(2) (i) Joginder Singh (ii) Mohinder Singh sons of Sh. Mankandi Singh (iii) Jag Singh (iv) Hakam Singh.

Residents of Village Balad Khurd P.O. Bhawani Gath, Teh. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 41 Bigha 9 Biswa Kham Khata No. 105/174 Khasra No. 954/13-15 955/5-6 956/5-17 957/6-5 958/13-15 959/13-15 960/7-4 963/10-9 961-962/5-3 Vital 9 situated at Village Balad Khurd, P.O. Bhawani Garh, Teh & Distt. Sangrur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 159 of June 1977, of the Registering Officer, Bhawani Garh.)

NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-2-1978

(1) Sh. Anand Sarup s/o Bhupinder Singh r/o Villago Mahi, Teh. Ludhiana

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Arti Steel Ferozepur Road, Ludhiana.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludbiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/222/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Land measuring 10 Kanal situated at Sherpur Road, Bycpass, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I udhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land measuring 10 Kanal situated at Sherpur Road, Byepass, Ludhiana.

(Property as mentioned in Registered Deed No. 1574 of June 1977, of Registering Officer, Ludhlana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

Shri Gurcharan Singh, s/o
 Shri Naranjan Singh,
 R/o Village Rakba, Tehsil Jagraon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M/s Arti Steel Ferozepur Road, Ludhiana.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, **LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/115/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 5 kanal, situated at Sherpur Road, Byepass, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent sideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 5 kanal, situated on Sherpur Road, Byepass, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1006 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

FORM ITNS ----

Shri Gurcharan Singh, s/o
 Shri Naranjan Singh,
 R/o Village Rakba, Tehsil Jagraon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/165/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 5 kanal,

situated at Sherpur Road, Byepass, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhana in August, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s Arti Steel Ferozepur Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 5 kanal, situated at Sherpur Road, Byepass, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 1485 of August, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-:---

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/155/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot, measuring 1016 sq. yds.,

situated at Taraf Gehlewal, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

12-486GI/77

(1)(1) Smt. Sarma Devi,

(ii) Shri Umesh Kumar, s/o Dr. Faquir Chand,

Residents of 3/45, Roopnagar, Delhi.

(Transferor)

 (2) (i) Smt. Recna, w/o Shri Kishan Kumar,
 (ii) Smt. Necta, w/o Shri Vinod Kumar,
 Residents of 648, Rupa Mistri Street, Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, measuring 1016 sq. yds., situated at Taraf Gehlewal, Tehsil and District Ludhiana.
(Property as mentioned in the registered deed No. 1268 of July, 1977 of the Registering Officer, I udhiana)

NATHU RAM Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhtana,

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/156/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot, measuring 1200 Sq. yds, situated at Taraf Gchlewal, Tchsil Ludhiana (College Road) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (i) (ii) Smt. Sarma Devi. (1)Shri Umesh Kumar, s/o Shri Faquir Chand, Residents of 3/45, Roopnagar, Delhi. (Transferor)
- (2) (i) Smt. Bimala Devi w/o Shiv Paul.
 (ii) Smt. Aruna Devi w/o Satish Kumar.
 Residents of 648, Rupa Mistri Street, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1200 Sq. yds, situated at Taraf Gehlewal, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1273 of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 15-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/217/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

A Residential House measuring 302.2 Sq. yrds. bearing M.C. No. 426/4B.26, situated at Manna Singh Colony, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ludhiana in October 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Naresh Kumar s/o Sh. Des Raj, r/o 1341/B 13 Sukhram Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Gupta w/o Des Raj, r/o 77-Axtar Road, Notingam, England. Now at Smt Saroj Gupta d/o Munilal w/o Des Raj, B-II, Mali Ganj Chowk, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(A Residential House measuring 302.2 Sq. yds bearing M.C. No. 426/4B.26 situated in Manna Singh Colony, Ludhiana).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2363 of October, 1977 at Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. PJA/16/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 16 Kanal 0 Marla situated at V. Tripari, Tehsil & Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Daulat Ram s/o Hukam Chand, resident of Factory Area, Uppkar Nagar, H. No. 10162/5 Patiala.

(Transferor)

(2) (1) Jit Singh (ii) Inder Singh sons of Shri Teja Singh.

r/o Village Zhil, Tehsil Patiala. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuting 16 Kanal 0 Marla, situated in Village Tripari, Teh & Distt. Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1497 of June, 1977 of Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

(2) Smt. Satya Wati Wd/o Shri Krishan Chand, r/o Baghwali Gali B VI/326, Kuchan Santa Nathi Ram, Ludhiana.

(1) (i) Sh. Suresh Kumar s/o Shri Kailash Chander.

(ii) Smt. Swarana Devi w/o Shri Kailash Chander. residents of Madho Puri, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDII/84/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A house measuring 196, 2/3 Sq. yds. situated at Mohalla Guru Nanak Nagar, Taraf Saidan, Ludhiana

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 196,2/3 Sq. yds. situated at Mohalla Guru Nanak Nagar, Taraf Saidan, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 772 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

> NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1978

(1) Shri Wariam Singh, s/o Shri Gahda Singh, R/o 547-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hari Kishan Gupta, s/o Late Shri Kulwant Rai, 235-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1978

Ref. No. LDH/87/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 547-R, B-XVIII/66,

situated at Model Town, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in June, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 547-R, B-XVIII/66, situated in Model Town, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 794 of June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1978

FORM ITNS ___

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th February 1978

Rcf. No. IAC/ACQ-II/1293/77-78/5593.—Whereas, I, N. S. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-8/15, situated at Krishan Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-6-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Rakesh Agarwal s/o Sh. Kishan Lal Agarwal r/o House No. 300, Subhash Bazar, Meerut City (UP).
 - Sh. Ramji Dass Agarwal s/o Sh. Devi Sahai r/o House No. 300 Subhash Bazar, Meerut City. U.P.
 - Smt. Satya Wati Garg w/o Sh. Raghunandan Prasad Garg r/o F-2/2 Krishan Nagar, Delhi-51.
 - 4. Sh. B. P. Goel s/o Sh. Sohan Lal Goel, r/o F-3/25 Krishan Nagar, Delhi-51 General Power of Attorney of Smt. Mangu Rani alias Manju Rani w/o Sh. Shyam Lal Gupta r/o C/o Engineering Institute, Patiala (Pb).
- (2) Smt. Sharda Devi w/o Sh. Shanti Swarup r/o E-5/7 Krishan Nagar, Delhi-51.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 88 sq. yds bearing No. C-8/15 situated at Krishan Nagar, Delhi and bounded as under:—

North: Remaining portion of plot No. C-8/15.

South: Remaining portion of plot No. C-8/15.

East: Road.

West: Remaining portion of plot No. C-8/15.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date . 6-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ΛLI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th February 1978

Ref. No. 1AC/ACQ-III/1294/77-78/5593.—Whereas I. N. S. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-8/15, situated at Krishan Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on 17-6-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Satya Wati Garg w/o Sh. Raghunandan Prashad Garg, r/o F-2/2 Krishan Nagar, Delhi-51.
 Sh. B. P. Gocla s/o Dr. Sohan Lal Goel, r/o F-3/25 Krishan Nagar, GPA of Smt. Mangu Rani alias Manju Rani w/o Sh. Sham Lal Gupta.

(Transferor)

Sh. Ramesh Agarwal s/o Sh. Kishan Lal Agarwal.
 Sh. Ramji Dass Agarwal s/o Sh. Devi Sahai,
 r/o 300, Subhash Bazar, Meerut City (UP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 63.1/4 sq. yds being part of property No. C-8/15 Krishan Nagar, Delhi and bounded as under:—

East : Road.

West: Remaining portion of plot No. C-8/15.

South: Road.

North: Remaining portion of plot No. C-8/15.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date . 6-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OR INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ. II/1297/77-78/5593, -- Whereas, I, N. S. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 7857, situated at Nai Basti, Bara Hindu Rao, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 2-6-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--13-486G1/77

(1) Shri Om Parkash Sharma s/o Pt. Sita Ram r/o 7857 Nai Basti, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Nai Basti Samaj Sudhar Sabha, Nai Basti, Bara Hindu Rao, Delhi through its President Sh. Devi Dayal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 108 sq. yds bearing Municipal No. 7857 Ward No. 14 situated in Nai Basti, Bara Hindu Rao, Delhi and bounded as under :-

North: Others property.

South: Road. Fast: Property No. 7858. West: Property No. 7856.

N. S. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th February 1978

Ref. No. IAC/Acq. II/1295/77-78/5593.—Whereas, I. N. S. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 284 & 285, situated at Fateypuri, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;

(1) Shri J. S. Dhillon s/o Sh. S. B. Inder Singh r/o W-146 G. K., New Delhi For sell and G. Attorney of Sh. Patwant Singh, 2. Smt. Gurdeep Naunihal Kaur.
3. Mrs Rasil Basu Trustees of Sardar Ram Singh Kabli and Sardarni Harnam Kaur Trust, 11 Rantondon Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajendra Mohan and Sh. Radhey Mohan sons of Sh. Lalit Mohan, r/o 177 House Avenue, New Delhi and 2682, Gali No. 1, Beadonpura, K. Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Lalit & Co (Tenant)
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops with back portions constructed on a land measuring 157 sq. yds bearing No. 284 and 285 situated at Fateypuri Chandni Chowk, Delhi and bounded as under :—

North: Shop No. 286. South: Passage.

East : Mercantile Bank of India and passage

West: Fatehpuri Road.

N. S. CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date . 6-2-1978

Real :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASΛF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 6th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ II/1296/77-78/5622.—Whereas, I, S. N. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

56 Ward No. VII,

situated at Jawala Nagar, Chanderwali, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 1-11-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Brij Kishou Devi w/o Sh. Basant Lal Jain and Sh. Vinod Kumar Jain s/o Sh. Basant Lal Jain r/o 1430 Gali Sanghian, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Hai Nath Seth.

2. Sh. Badii Nath Seth.

- 3. Sh. Deep Kishan Seth all sons of Sh. Radha Raman Seth.
- 4. Sh. Ashok Kumar (minor) s/o Sh. Kashi Nath Seth through his father r/o 7/56, Circular Road, Shahdara, Delhi.

(Transferce)

(3) 1. Shri Kanshi Nath Seth.

2. Sh. Krishan Gopal.

3. Smt. Ram Katori. 4. Sh. Niranjan Dev.

5. Sh. Moti Lal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on plot of land measuring 665 sq. yds bearing Municipal No. 56 Ward No. VII known as Khoti Sham Kuti or Govindji Bhawan situated at Jawala Nagar, Chanderwali, Shahdara, Delhi and bounded as under.

North . Open Coal Depot.

South: Constructed house No. 56A. East: Road 15 ft wide. West: Road 60 ft. wide.

N. S. CHOPRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date . 6-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri S. P. Sendrayan and Shri Sendraya Perumal (minor) by Father and guardian Shri S. P. Sendrayan. Seelanaickenpatti, Salem district.

(Transferor)

(2) Shri A. Thiagarajan, C/o Mohanraj Silk Trading Co., No. 96, Syed Madar Sahib Street,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1978

Ref. No. 4/JUNE/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. No. 47 and 48/2 situated at Tiruchi Main Road, Dadagapatti, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Salem (Doc. No. 918/77) on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 60 cents (26,246 sft.) with buildings thereon known as "Anjaneya Talkics" at Seelanaickenpatti village, Salem.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Madras '

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1978

Ref. No. 5/JUNF/77.—Whereas, I. A. T. GOVINDAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. No. 47 and 48/2 situated at Tiruchi Main Road, Dadagapatti, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λ ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Salem (Doc. No. 919/77) on May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not

been truly in the said inctrument of transfer with the object

of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

M/s.

- (1) 1. P. Ramachandran, 2. Sendraya Perumal
 - 3. Srinivasan 4. Ramakrishnan
 - 5, Perumalsami

Minor by father and guardian Shri P. Ramuchandian

(Transferor)

(2) Shri A. Thiagarajan, C/o Mohanraj Silk Trading Co, No. 96, Syed Madar Sahib Street Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 60 cents (26,246 stt.) with buildings thereon known as "Anjaneya Talkies" at Seelanaickenpatti village, Salem.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 15-2-1978

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1978

Ref. No. 6/JUNE/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961 hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- bearing No.

R.S. No. 47 and 48/2 situated at Firuchi Main Road, Dadagapatti, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Salem (Do. No. 920/77) on JUNE 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. R. S. P. Govindarajan and Venkatesa Perumal (minor) by father and guardian Shi R. S. P. Govindarajan, Scelanickenpatti, Dadagapatti, Salem.

(Transferor)

(2) Shri A. Thiagarajan, C/o Mohauraj Silk Trading Co., No. 96, Syed Madar Saheb Street.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HEXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 60 cents (26,246 sft.) with buildings thereon known as Anjaneya Talkies situated in R.S. Nos. 47 & 48/2, Tiruchi Main Road, Scelanaickenpatti, Dadagapatti, Salem.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th February 1978

Ref. No. 45/JUNF/77.—Whereas, L, A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1, 1A and 1B situated at Prof. Subramaniam St., Landons Garden, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Madras (Doc. No. 1745/77) on 28-6-19788 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following per-

M/s.

- (1) I. K. A. Subramaniam
 - 2. Anand
 - 3. Srikant
 - Mis. Kalyani Gopalan, No. 1/29, Prof. Subramaniam St, Kilpauk, Madras-10.
 - 5. K. A. Suryanarayanan
 - Ashok (minor) by father and guardian St. No. 5 No. 7, Dr. Nair Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Kerala Muslim Educational Society) (Regd.), Madgis Unit,

No. 1, Professor Subramaniam Street, Kilpauk, Madras 600-010

(Transferee)

(3) M/s, K. P. K. Menon and Γ L. Ramaseshan.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 grounds and 1955 stt. with buildings thereon at door No. 1, 1A and 1A (R.S. No. 154/12 part), Professor Subramaniam Street, Londons Garden, Kilpauk, Madras 600010

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1.
Mady as-6

Date: 15-2-1978

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AF-1745.-Whereas, I, B. S. DEHLYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the

 Shri Sawaran Singh S/o Shri Mehar Chand R/o Jandiala, Tch. and Distt, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Khushal Singh S/o Shri Munsha Singh 2. Smt, Pritam Kaur W/o Shri Khushal Singh R/o Pragpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 574 as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1689 of June, 1977 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1746.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Barham Srishta, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

14—486GI/77

(1) Smt . Amar Kaur Wd/o Harnam Singh R/o Braham Srishta, Jullundur City.

(Transferor)

- Shri Gurmail Singh, Hardev Singh s/o Shri Pyara Singh, R/o Brahm Srishta, Jullundur City.
- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 1445 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JULLUDUR**

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1747.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule

situated at Alawalpur (Jullundur)

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, a mody:--

- (1) Shri Bhader Sen S/o Shri Kewal Krishan (Self) and G.A. of
 - Smt. Bimla Devi
 Satva Devi
 Ds/o Shri Kewal Krishan
 - 3. Satya Pal $\left.\right\}$ ss/o Kewal Krishan 4. Inder Sain $\left.\right\}$
 - 5. Ram Baksh s/o Shri Beli Ram R/o Alawalpur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Karnail Singh
 2. Shri Surinder Singh
 3. Shri Ajit Singh
 4. Shri Nasib Singh
 Ss/o Shri Shanker Singh R/o Daulatpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale Deed No. 1133 of June. 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1748.—Whereas, I, B. S. DEHIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bering No.

as per schedule

situated at Sarai Khas, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Juliundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Piara Singh S/o Shri Santa Singh R/o Sarai Khas, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Tarsem Singh, Jarnail Singh and Jaswant Singh ss/o Shri Mehnga Singh S/o Shri Surain Singh R/o Sarai Khas, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2053 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING /-SSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

-Ref. No. AP-1749.-Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at New Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Kanwal Kumar, Prem Nath S/o Shri Sat Paul R/o New Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Tarlok Nath S/o Shri Achru Ram R/o Jandiala, Teh. Phillaur Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale Deed No. 1886 of June 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1750.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule

situated at Cool Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur on August, 1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Smt. Sudesh Mehta W/o Dr. Jatinder Kumar Mehta G.A. of Smt. Saroj Bala Jain W/o Nem Chand Jain C/o P. S. Jain Motors, G. T. Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Dr. Jatinder Kumar Mehta 495-R, Model Town, Jullundur City.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3562 of August, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1751.—Whereas, I, B. S. DEHTYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule

situated at Vill. Jagrawan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Karamjit Singh S/o Shri Gurmukh Singh S/o Shri Isher Singh R/o Village Jagrawan, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Devi W/o Shri Karam Chand S/o Shri Khushal Chand, 107-Amar Gardens, Jullundur City.

(Transferce)

(3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1300 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1752.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Village Saiwal, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to blieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Salinder Kaur, Balwinder Kaur Ds/o Ajit Kaur Wd/o Shri Inder Singh R/o Bullowal. Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh S/o Shri Pala Singh 2. Surjit Kaur W/o Shri Karnail Singh R/o Basti Ibrahimpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1230 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-2-1978

Scal:

(Transferee)

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th February 1978

Ref. No. AP-1753.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/s and bearing No. as per schedule

situated at Village Khun Khun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Shri Baldev Singh, Kuldip Singh Ss/o Shri Sohan Singh R/o Village Kang Saboo, Teh Jullundur.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2068 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1754.—Whereas, I. B S. DFHIYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. AS PER SCHEDULE

situated at New Vijay Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :-

15-486GI/77

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) Shri Balwant Ram S/o Shri Jamiat Ram R/o Basti Nau, Jullundur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Inder Spin 2. Shri Sudhir Sain Ss to Shri Bhim Sain. 150-Vijay Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice only the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration sale deed No. 1811 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1755.—Whereas, I, B. S. DFHIYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS FER SCHEDULE

situated at Juliundur-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Juliundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sohan Lal Kohli
 S/o Shri Sita Ram,
 238-Lajpat Rai Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s, D R. P. Metal Works, Through Shri Prem Nath, Hoshiarpur Road, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per St. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registration deed No 1467 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHFYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 16-2-1978 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1756.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Village Narpur (Jullundur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said -Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritam Singh S/o Shri Bishan Singh R/o Narpur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh S/o Shri Banta Singh S/o Bela Sittgh R/o Patar Kalan, Teh. Jullundur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 1410 of June 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHLYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1757.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinæfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE

situated at Basti Danishmandan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. Shri Mohinder Singh S/o Shri Prem Singh
 - 2. Shri Karamjit Singh,
 - 3. Shri Manjit Singh

S/o Shri Mohinder Singh

R/o Basti Danishmandan, Jullundur

(Transferor)

- (2) 1. Shri Darshan Lal S/o Shri Nanak Ram
 - 2. Shri Makhan Lul S/o Shri Dhali Ram
 - 3. Shri Asa Ram S/o Shri Mela
 - 4. Shri Inder Ram S/o Shri Nand Lal
 - 5. Shri Bhupinder Singh S/o Shri Sham Singh

R/o Basti Gujan, Jullundur.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration sale deed No. 1161 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur,

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1978

Ref. No. AP-1758,-Whereas, I, B. S. DEHIYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Basti Danishmandan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Mohinder Singh S/o Shri Prem Singh
 - Shri Manjit Singh
 Shri Karamjit Singh
 - Ss/o Shri Molinder Singh

R/o Basti Danishmandan, Jullundur,

(Transferce)

- Shri Gudhari Lal S/o Shri Jagat Ram
 Shri Shiv Ram S/o Shri Jalu Ram
 Shri Sat Pal S/o Shri Tara Chand
 Mata Ram S/o Shri Rakha Ram
 Surinder Kumar S/o Shri Bhim Sain
 Mansu Bai W/o Shri Jagdish Chand
 Haipal Singh S/o Shri Chuni Lal
 Shri Baldev Raj S/o Shri Mulkh Raj Basti Nau, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registration sale deed No. 1206 of June, 77 of the registering authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 16-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHA'IINDA

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. AP-103/BTI/77-78.--Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

AS PER SCHEDULE

situated at Wander (Moga)

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhola Singh Shri Gurdial Kaur Shri Hira Singh Sa/o Shri Dal Singh Village Wander, Jeh. Moga.

(Transferor)

(2) Shri Babu Singh S/o Shri Jarnail Singh and Shri Hardev Singh, Shri Avtar Singh Sy/o Shri Dhanna Singh S/o Shri Bhag Singh, Village Wander, Teh. Moga,

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 105 Kanals in village Wander, Teb. Moga as mentioned in sale deed No. 1460 of June 1977 registered with the S. R. Moga.

P N. MALIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. A.P.104/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

As per schedule situated at Wander (Moga).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Moga on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Bhola Singh, Smt. Gurdial Kaur, Shri Hira Singh Sy/o Sh. Dal Singh, V & P.O. Wander, Teh. Moga.

(Transferor)

(2) Shri Babu Singh s/o Sh. Jarnail Singh and Shri Hardev Singh, Sh. Avtar Singh St/o Sh. Bhag Singh, V&P.O. Wander, Teh. Moga.

(Transferee)

"(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

"(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47 Kanal 6 mails in village Wander, Ich. Moga as mentioned in sale deed No 1338 of June, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatind

Date: 10-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. AP.105/BT1/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Wander (Moga).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Moga on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sant Kaur d/o Sh. Bir Singh W/o Sh. Gurbehan Singh, through Sh. Gurbachan Singh (Mukhtiar-i-am, V&P.O. Bagha Purana, Teh. Moga.

(Transferors)

(2) Sh. Gurdev Singh, Sh. Jalaur Singh, Sh. Gurnam Singh, Sh. Karnail Singh Ss/o Sh. Gulwant Singh and (2) Sh. Ranjodh Singh, Sh. Dhir Singh Ss/o Sh. Gurnaib Singh, Village Wander, Teh. Moga.

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 87 Kanals 2 marlas in village Wander, Tch. Moga as mentioned in sale deed No. 1449 of June, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda,

Date: 10-2-1978,

Soul :

(1) Smt. Charan Kaur d/o Sh. Waiyam Singh, R/o village Bhauta, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Charan Singh S/o Sh. Waryam Singh, R/o. village Bhaura, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

*(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bhatinda, the 10th February 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

Ref. No. A.P. No. 106/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK.

publication of this notice in the Official Gazette.

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing As per schedule situated at Bhaura (Nawanshehar)

(and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/ от
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 kanal 10 marlas in village Bhaura, Tch. Nawan Shehar as mentioned in sale deed No. 1676 of July, 1977 registered with the S.R. Nawan Shehar.

> P. N. MALIK, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhatinda,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-16-486GI/77

Date: 10-2-1978,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. A.P.No.107/BTI/77-78. -Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Jandiala (Nawan Shehar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on July, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee 10r the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Davinder Mohan, Sh. Bir Singh Shashi S/o. Sh. Charanjit Singh Shashi, village Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Deva Singh, Shrl Kuldip Singh, Sh. Ajit Singh Ss/o Sh. Kabal Singh, village Keleran, Teh. Nawan Shehar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 Kanals in village landiala as mentioned in sale deed No. 1975 of July, 1977 registered with the S. R. Nawan Shehar, Distt. Jullundur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-2-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. A.P.No.108/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Jandiala (Nawan Shehar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawan Shehar on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Singh, Sh. Kulbir Singh Ss/o Shri Bhagat Singh, village Rahon, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar S/o Sh. Krishan Lal, village Rasulpur, Teh. Nawan Shehar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 kanal 3 marlas in village Rasulpur, Teh. Nawan Shehar, as mentioned in sale deed No. 1709 of July, 1977 registered with the S. R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-2-1978.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th February 1978

Ref. No. A.P.No. 109/BTJ/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Jandiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harbans Singh S/o Shri Lachhman Singh, R/o village Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

 (Transferor)
- (2) Shri Jagtar Singh S/o Shri Kehar Singh, Vill. Dhandwal, Teh. Philiaur, Distt. Jullundur.
 (Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 kanals and 10 Marlas in village Jandiala, Teh. Nawan Shehar as mentioned in sale deed No. 2063 of July, 1977 registered with the S. R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-2-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. 1. Sri Nannepaga Yesurathnam, S/o Jakarajah,

Smt. N. Nayemi, W/o N. Yesurathnam,
 Mr. John, S/o Yesurathnam, all residing at Door.
 No. 23/71, Mulgapet, Nellore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 14th January 1978

Ref No. RAC.No.234/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-16-23, situated at Kavali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kavali on 25-7-1977

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Anam Kamalamma, W/o Sri Anam Sosha Reddy, R/o Ulavapadu, Kandukur-Tq, Prakasham-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-16-23 situated on the side of Udayagiri Road Kavali, Nellore-Dist, registered vide Doc. No. 1359/77 with the Sub-Registrar Kavali.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77/78/932.—Whereas, IR. K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

House (Part) situated at Murwarn

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jubbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)
- (2) Smt. Kiranbai (2) Smt. Sunita Bai w/o Shri Sarashchand Jain both r/o Raghunath Ganj, Murwara Distt, Jabalpur. Transferees)
- *(3) Ram Prakash Punjabi & Phool Chand.
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 174 and 159 (Part) situated at Subhash Ward, MURWARA Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/933.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House (Part) situated at Murwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Murwara on 2-6-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforcsuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)
- (2) (1) Smt. Iyotibai w/o Shri Subhashchand (2) Smt. Sashibai w/o Shri Prakashchand Jain (3) Smt. Chamelibai w/o Shri Kailashchandra Jain all r/o Raghunath Ganj, Murwara, Distt. Jabalpur. (Transferees).
- (3) Shii Ram Piakash and Phool Chand.
 (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 175 and 159 (Part) bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 18-2-1978. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/934.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House (Part) situated at Murwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Murwara on 2-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

- (1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahır Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Alı (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Shri Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)
- (2) Shri Nanak Ram s/o Shri Hirdomal Sindhi r/o Rawart Line Katni Camp Tah. Murwara Distt. Jabalpur.

(Transferees).

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 171 and 159 (Part) Bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distt, Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/935.—Whereas, I. R. K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

House (Part) situated at Murwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mui wara on 2-6-1977

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—486GI/77

- (1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahii Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Lasduk Hussain s/o Shri Yusuf Ali all 1/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)
- (2) Shri Permanad s/o Shri Mannaram Sindhi r/o Gurunank Waid, Murwaia, Distt. Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 168 and 159 (Part) beating No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distr. Jabahur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota. (Transferors)
- (2) Shri Badri Prasad s/o Shri Modi Prasad Chaurasia r/o Nayibasti at Murwara Distt. Jabalpur.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/936.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

House (Part) situated at Murwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 162 and 159 (part) bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara, Distt. Jabalpur.

R. K. BALL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-2-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIJOPAL M.P.

Bhopal, the 18th Febtuary 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/937.—Whereas, 1, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House (Part) situated at Murwara (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Murwaia on 2-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahii Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasduk Hussain s/o Shri Yusuf Ali all r/o Bhiniganj Mandi, Kota (Transferors).

(Transferors)

(2) M/S Premsukhdas Nandlal through its Managing partner Shri Narsinghdas Bazaz r/o Main Road, Katni Tah. Murwara. Distt. Jabalpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 172 and 159 (Part) bearing No. 493 situated at Subbash Ward, Murwara, Tah. Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/77-78/938.—Whereas, I, R. K. BALL

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House (Part) situated at Murwara

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concenhent of any incomeor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Saifuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jabbar Hussain (5) Shri Tasdak Hussain s/o Shri Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota.

(Transferors)

(2) Shri Kripa Ram s/o Shri Lala Sita Ram Meni r/o Station Road, Murwara Distt. Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 166 and 159 (Part) bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-2-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th February 1978

Ref. No. IAC/ Λ CQ/BPL/77-78/939.—Whereas, I, R. K. B Λ Ll,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Murwaru

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 2-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Sailuddin s/o Tahir Ali (2) Shri Fida Hussain (3) Shri Fakruddin Ali (4) Shri Jubbar Hussain (5) Shri Tasdak Hussain s/o Shri Yusuf Ali all r/o Bhimganj Mandi, Kota.

(Transferors)

(2) Shri Prakash Chand alias Shri Chand s/o Shri Satharan Mal Sindhi (2) Shri Shankar Lal (Minor) s/o Godhumal Vali Manwaribai (Mother) both r/o at Katni Camp Katni Tab. Murwar Distt. Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 167 and 159 (Part) bearing No. 493 situated at Subhash Ward, Murwara Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 18-2-1978.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th February 1978

Ref. No. P.R. No. Acq-23-1-1409(634)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 421; & 421/1; Plat No. 13
Ramkrishna Sheri No. 1; Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajkot on 16-6-1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Kasturben Wd/of Tribhovandas Dahyabhai; Through: Power of Attorney Holder; Shri Chandrakant Tribhovan Panchasara; Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar alias
 Kanubhai Kalyanji Vasant,
 Transportwala, Ramkrishnanagar, Sheri No. 1
 (Plot No. 13), Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 226-1 sq. yds. bearing S. No. 421 & 421/1; Plot No. 13, situated at Ramkrishna Sheri No. 1; Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 2645 dated 16-6-1977.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 14th February, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK
Rohtak, the 14th February 1978

Ref. No. JDR/21/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory No. E-33, situated at Yamuna Nagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhari in June, 1977.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, mandy:—

(1) (i) Sh. Ram Kishan Dass s/o Sh. Kulwant Rai R/o Kaithal. (ii) Sh. Ishar Dass s/o Sh. Dass Rai. R/o Yamuna Nagar, (ii) Sh. Lachhman Dass s/o Sh. Nanu Mal, R/o Narwana. (iv) Sh. Tilak Chand s/o Sh. Ram Kishan Dass through Sh. Ram Kishan Dass s/o Sh. Kulwant Rai c/o Tilak Snowcate works, Yamuna Nagar.

(Transferors)

(2) (i) Sh. Chuni Lal s/o Gurditta.

- (ii) Sh. Satish Chand s/o Sh. Chuni Lal.
- (iii) Sh. Rohtas Kumar s/o Sh. Behari Lal.
- (iv) Sh. Prem Nath s/o Sh. Jyoti Parkash.
- (v) Sh. Janardan Dass s/o Sh. Ram Parsad.
- (vi) Sh. Om Parkash s/o Sh. Ram Gopal,C/o Milap Silicate Factory, E-33, Industrial Area, Yamuna Nagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory No. E-33, situated at Industrial Area, Yamuna Nagar.

"Property as mentioned in Registration deed SI, No. 1321 dated 30-6-1977 and registered in the office of Registering Authority, Jagadhari,"

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1978

Ref. No. CHD/43/77-78.—Whereas, 1, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.C.C. No. 4, Sector 17, V-4, situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mahesh Chand Batra and Sh. Naresh Chand Batra s/o Sh. B. L. Batra, R/o 83, Sector 18, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) (i) Sh. Nath Bassi s/o Sh. Charan Singh Bassi.
 - (ii) Sh. Mohinder Singh Bassi alias Milkha Singh Bassi.
 - (iii) Sh. Kabal Singh Bassi alias Kehar Singh Bassi.
 - (iv) Sh. J. Narkesh Singh Bassi s/o Sh. Mohinder Singh Bassi Alias Milkha Singh Bassi.
 - (v) Sh. Gulraj Singh Bassi s/o Mohinder Singh Bassi alias Milkha Singh Bassi.
 - (vi) Sh. Paulpinder Singh Bassi and
 - (vii) Sh. Raovinder Singh Bassi s/o Sh. Kabal Singh Bassi alias Kehar Singh Bassi.
 All Rs/o Vill P.O. Vir Bassain, Teh. Phillaur (Jullundur).

(Transferee)

- (3) (i) Sh. Tarsem Chand, M/s. Fashionair.
 - (ii) Sh. Kuldev Raj, Hans Raj, Photo Centre.
 - (iii) Sh. Ajmer Singh Tailor.
 - (iv) M/s. Planners Group.
 - (v) Haryana Agr. Deptt.

All c/o SCO No. 4, Sector 17, V-4, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 storeyed SCO No. 4, Sector 17, V-4, situated at Chandigarh.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 466 dated 27 July, 1977 and registered in the office of Registering Authority. Chandigarh."

RAVINDER KUMAR PATIIANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 14-2-1978

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 14th February 1978

Ref No. KLK/2/77-78,--Whereas, I. RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential plot No. 5 situated at Panchkulla and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kalk, in September, 1977.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- ext facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nerby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (110) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Joginder Singh, R/o Vill. Chak Jhandwala, Teh. Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Maj. Ranjit Sangh s/o Sh. Sadhu Singh, 4th Battalian 5th Gorkha Rifle (FF) C/o 56 APO.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may'be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anid immoveable property within 45 days from tho date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Residential plot No. 5 measuring 1000 sq. yds, situated at Panchkulla.

"Property as mentioned insale deed registration No. 442 dated 9-9-1977 registered in the office of Registering Authority, Kalka

> RAVINDER KUMAR PATHANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 15th February 1978

Ref. No. 111-268/Acq/77-78.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 8 Ward No. 4, within Gaya Municipal area. situated at Kathokar Talab Gaya Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gaya, on June 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction cvasion of the or liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Shiv Prasad S/o Shri Prabhu Chand, Anup Kumar Lal, Manoj Kumar Lal, Navin Kumar Lal Ss/o Shiv Prasad Smt. Gouri Devi W/o Prabhu Chand, Rajendra Prasad Arjun Prasad S/o Shri Kanhaya Lal, Smt. Savitri Devi W/o Kanhaiya Lal Resident of Moti Murarpur P.O. Dist. Gaya.

(Transferor)

(2) 1, Smt. Bindu Devi W/o Sarju Prasad Ramola Devi W/o Aditya Prasad Resi Murarpur Gaya C/o M/s. Nauhaku R 2. Smt. Resident Ram Tulsi Prasad Plaza Market G. B. Road. Gaya.

(Transferec)

(3) Shri Kailash Prasad Poddar Prop : Poddar Transport Gaya.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One three storeyed pucca building at Kathokar Talab, Gaya bearing H. No. 8. Ward No. 4 of Gaya town as described in the deed no. 9805 of 1977 registered with the District Sub Registrar Gaya.

I. NATH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 15-2-78.

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th February 1978

Rei. No. ASR/52/77-78, - Whereas I. S. K. GOYAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 1797, Min 1794 Min New khasra No. 87/29 min, situated at Sarni Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tohsil Amritsar in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Chanana Financiers & Chit Fund Pvt. Ltd. Akali Market, Amritsar, through Shri Kulwant Singh S/o Shri Nihal Singh, (2) Shri Hari Singh S/o Shri Ladha Singh, (3) Shri Gurcharan Singh S/o Shri Gurbax Singh, (4) Shri Ram Murti S/o Shri Mani Ram (All are directors of Chit Fund Firm)

(Transferors)

- (2) 1. Sh. Rajinder Mohan s/o Shri Lula Des Raj.
 - 2. Sh. Des Raj s/o Shri Baghu Mal.
 - 3. Sh. Goverdhan Dass s/o Shri Moti Ram.
 - 4. Shri Surjit Rai s/o Shri Moti Ram.
 - 5. Sh. Prem Chand s/o Shri Moti Ram.6. Shri Gurcharanjit s/o Bhag Mal.
 - 7. Smt. Ramesh Rani w/o Sh. Amir Chand.
 - Smt. Chand Rani w/o Shri Faquir Chand. c/o Gian Chand Bhawan & Co. Commission Agents, Jandiala Guru Teh. Amritsar.

(Transferees)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Godowns, one office block & open space with land 2583 Sq.yds at Jandiala Guru, situated on Sarai Road, bearing Khasra No. 1772 Min 1794 Min new khasra No. 87/29 Min as mentioned in the reg. deed No. 1650 of June. 1977 of Registering Authority, Tehsil Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-2-1978

Scal: